पौष माह, वर्ष-10, अंक 187, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये
प्रयागराज शनिवार 05 अक्टूबर, 2024
TM
नगर संस्करण
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित
Adhunik Samachar
10 वर्ष विश्वास के

उप कृषि निदेशक प्रचार प्रयागराज द्वारा प्रायोजित किया गयादो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। आज दिनांक 04.10.2024 को उप कृषि निदेशक प्रचार प्रयागराज द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए विकासखंण्ड चाका एवं प्रतापपुर के चयनित प्रगतिशील कृषकों को दो दिवसी प्रशिक्षण आरंभ हुआ प्रशिक्षण के उद्घाटन पर कृषि को संबोधित करते हुए निदेशक प्रसार डॉक्टर प्रवीण चरण ने कृषि को फसल उत्पादों की ग्रेडिंग करने की सलाह दी उन्होंने बताया कि बाजारों में फसलों के ठेले पर फल बेचने वाले विक्रेता एक ही फल की पेटी खरीदने हैं परंतु ग्रेडिंग करके उसी में तीन प्रकार की गुणवत्ता के फल तैयार करके उन्हें अलग-अलग दामों पर बेचकर अच्छा आर्थिक लाभ अर्जित करते हैं परंतु हमारे किसान ग्रेडिंग की इस तकनीक को अभी तक नहीं सीख पाए हैं एवं वे मंडी के अतिर्थियों को बिना ग्रेडिंग के किए हुए उत्पाद को बेचते देते हैं जिससे किसान द्वारा लगाए गए उत्पादों को ही मंडी से बेचा जाता है किसानो को यह तकनीक समझने की आवश्यकता है एवं किसी भी उत्पाद को बिना ग्रेडिंग के न बेचने की सलाह उन्होंने प्रशिक्षार्थी कृषिको को दी प्रशिक्षण के उद्घाटन समारोह में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशक विकास प्रो0 डॉक्टर रितु दुबे ने किसानों को मूल्य सवंर्द्धन के माध्यम से कृषि उत्पादों से अधिक आर्थिक आय अर्जित करने की सलाह दी एवं बताया कि मूल्य सवंर्द्धन के एवं खाद्य एवं प्रसंस्करण के माध्यम से प्रगतिशील कृषक उन्हीं उत्पादों को दो गुना दाम बाजार में प्राप्त कर लेते हैं जिनका आधा दम भी परंपरागत विधि से खेती करने वाले किसान नहीं अर्जित कर पाते उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रयागराज जनपद के चक्र एवं प्रतापपुर के विकास करो कि कृषि को हेतु आयोजित किया गया है जो इस प्रकार जनपद प्रयागराज के सभी विकास करो के किसी को हेतु आयोजित किया जाता रहेगा निदेशक प्रसाद डॉक्टर प्रवीण चरण ने इस प्रकार के आर्थिक उन्नति के प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रसार निदेशालय के माध्यम से संपादित करने हेतु कार्यक्रम समन्वंयक डॉक्टर योगेश चंद्र श्रीवास्तव की प्रशंसा की एवं अन्य वैज्ञानिकों से यह आवाहन किया कि इस प्रकार की प्रशिक्षण कार्यक्रम अन्य जनपदों से भी प्रसार निदेशालय के माध्यम से आयोजित किए जाएं।

किसानो को सम्बोधित करते हुए डा0 प्रवीण चरण निदेशक प्रसार- शुआट्स

श्री राम जन्म से अयोध्या में खुशी की लहर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा रामलीला समिति द्वारा सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला मंचन के दूसरे दिन मुख्य अतिथि मनोज गुप्ता जी जिला अध्यक्ष नोएडा भारतीय जनता पार्टी, बच्चू सिंह, एडीएम, गौतमबुद्ध नगर , रविकान्त मिश्रा वरिष्ठ नेता भाजपा व अतिथि गणेश जाटव जिला महामंत्री, उमेश त्यागी जिला महामंत्री भाजपा, विनोद शर्मा, ज़िला कोषाध्यक्ष एवं मनीष शर्मा ज़िला उपाध्यक्ष,श्री नवरत्न अग्रवाल, नरेंद्र चोपड़ा,श्री विपिन गुप्ता, एसएसअवस्थी, उमेश यादव, सत्येन्द्र सिरोही ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर लीला का शुभारंभ किया। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव मुन्ना कुमार शर्मा द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर और अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया। प्रथम दृश्य में रावण और अन्य राक्षसों के अत्याचार से कराह रही पृथ्वी को अत्याचार मुक्त करने के हेतु देवतागण भगवान विष्णु से अवतार लेने की प्रार्थना करते हैं। राजा दशरथ के संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ जी के पास जाना, वशिष्ठ जी द्वारा श्रृंगी ऋषि द्वारा शुभ पुत्र कामेष्ठि यज्ञ करवाना। यज्ञ कुंड से अग्नि देवता का प्रकट होकर खीर प्रदान करना।राजा दशरथ द्वारा तीनों रानियों कौशल्या, कैकई और सुमित्रा को खीर प्रदान करना और खीर खाकर तीनों रानियों का गर्भवती होने की लीला हुई। भगवान राम के साथ तीनों भाईयों के जन्म लेते ही राजा दशरथ और रानी कौशल्या बड़े ही उत्साहित थे। अयोध्या में चारों ओर बधाई गान गाए गए। कौशल्या जायो लल्ला, अवध में मचो हल्ला, अवध में जनमे रघराई, कौशल्या रानी दे दो बधाई। बाल स्वरूप भगवान राम से मिलने भगवान शिव जी योगी का भेष बनाकर आते हैं और इसके बाद चारों भाइयों का नाम करण गुरू वशिष्ठ द्वारा किया जाता है। तत्पश्चात भगवान राम,लक्ष्मण,भरत, शत्रुघन गुरु वशिष्ठ के आश्रम में शिक्षा दीक्षा के प्रस्थान करते हैं।भगवान राम की बाल लीला का मंचन देख दर्शक मंत्र मुग्ध हो जाते हैं। अगले दृश्य में विश्वामित्र का राजा दशरथ के दरबार में आगमन होता है और वह अपने यज्ञ की राक्षशों से रक्षा के लिए श्री राम और लक्ष्मण जी को साथ ले जाने के लिए कहते हैं। वशिष्ठ जी के समझाने पर दशरथ जी राम लक्ष्मण को विश्वामित्र के साथ भेज देते हैं। रास्ते में जाते समय विश्वामित्र भगवान राम को राक्षसी ताड़का, मारीच और सुबाहु को दिखाते हैं। ताड़का, मारीच एवं सुबाहु विश्वामित्र जी, श्री राम जी व लक्ष्मण जी पर आक्रमण कर देते हैं ।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
NAINI ALLAHABAD
कौशलं बलम्
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है।
रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

तुलाराम बाग बहराना की रामलीला की शुरुआत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। तुलाराम बाग बहराना की रामलीला की शुरुआत पिछली बार की भांति इस बार भी तुलाराम बाग में पांच दिवस की रामलीला मंचन की तैयारी चल रही थी जिसकी डेट 4 अक्टूबर से लेकर 8 अक्टूबर तक है रामलीला के डायरेक्टर संजीव कुमार असिस्टेंट डायरेक्टर कबीर मौर्य और आरोही द्विवेदी और इस बार कुछ पात्र चुने गए हैं जैसे की राम की भूमिका में कार्तिकेय शुक्ला लक्ष्मण की भूमिका में शुभम मौर्य सीता की भूमिका में शिखा दशरथ की भूमिका में राहुल कैकेई की भूमिका में रचना त्रिवेदी पत्रकार रावण की भूमिका में अंकित शर्मा और नृत्य निर्देशन में कौशिकी पांडे लाइट एंड साउंड देख रहे हैं अक्षत केसरवानी वशिष्ठ की भूमिका निभा रहे हैं अयान और भी बहुत सारे पात्र हैं जिनके नाम इस प्रकार से हैं शशांक कौशल्या के रूप में गीता आर्य सचिन पटेल सिद्धि शगुन मंथरा के रोल में रूपाली आदि।

महिला एवं बाल विकास विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा निर्गत कार्यक्रम ठमिशन शक्तिठ विशेष अभियान फेज़ 5 के अंतर्गत माह अक्टूबर से माह दिसंबर 2024 का शुभारंभ किया गया है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ । दिनांक 03.10.2024 को जिलाधिकारी महोदय के निर्देशानुसार व जिला प्रोबेशन अधिकारी महोदय के नेतृत्व में दिए गए कार्य योजना की थीम ठजेंडर सेंसटाइजेशन ठवेक अंतर्गत प्रदेश के महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा सम्मान तथा स्वावलंबन हेतु आगामी शारदीय नवरात्र के पर्व पर महिलाओं और बच्चों से संबंधित योजनाओं प्रचार प्रसार जागरूकता कई विद्यालयों में किया गया जिसमे रामपाल त्रिवेदी इंटर कॉलेज गोसाईगंज लखनऊ, रेलवे हायर सेकेंडरी स्कूल चारबाग लखनऊ, उच्च प्राथमिक विद्यालय आलमबाग, लाला महादेव प्रसाद वर्मा बालिका महाविद्यालय गोसाईगंज लखनऊ, अमर शहीद वीरांगना अवंती बाई लोधी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सरोसा भरोसा लखनऊ, अपर प्राइमरी स्कूल भरोसा ब्लॉक काकोरी लखनऊ। जागरूकता कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर यूनिट 1 एवं यूनिट 2 द्वारा विभिन्न विद्यालयों मे प्रचार प्रसार किया जिसमें लगभग 762 बच्चों ने प्रतिभाग किया। उक्त के साथ ही मिशन शक्ति विशेष अभियान फेज-5 के अन्तर्गत लैंगिक समानता पर जूम एप के माध्यम से प्रशिक्षिका डा0 संगीता शर्मा द्वारा 160 महिलाओं/पुरूषों को जागरूक किया गया।

एसएमसी घूरपुर में विज्ञान प्रदर्शिनी का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। एसएमसी घूरपुर में एक विज्ञान प्रदर्शिनी का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन विद्यालय की प्रेसिडेन्ट श्रीमती मीता अग्रवाल व सेकेटरी श्री ए.के. धवन ने किया। यह आयोजन विद्यालय के लिए महत्वपूर्ण कदम था। जिसमें छात्रों की वैज्ञानिक प्रतिभा को प्रकट करने और उनके भीतर छिपी नवीन क्षमताओं को प्रोत्साहित करने का अवसर मिला। फ्यूचर सांइटिस्ट प्रदर्शिनी का आयोजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में छात्रों की रचनात्मकता को सामने लाने के उद्देश्य से किया गया। इस प्रदर्शिनी में कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्रों ने अपने-अपने स्तर पर विभिन्न मॉडलों को तैयार किया और उनकी प्रस्तुति दी। मॉडलों में सौर उर्जा से संचालित उपकरण, जल संरक्षण योजनाएं, स्वच्छता और कचरा प्रबन्धन के स्मार्ट उपाय, स्मार्ट सिटी का कॉन्सेप्ट्स और पर्यावरण सुरक्षा जैसी विषयों पर आधारित अद्वितीय प्रस्तुतियां शामिल थी। प्रदर्शिनी के आकर्षण का केन्द्र एक छात्र द्वारा तैयार किया गया रॉकेट था। जिसे उसने खुद डिजाइन और तैयार किया था। इस प्रदर्शिनी ने यह साबित किया कि छात्रों में न केवल विज्ञान को समक्षने की क्षमता है बल्कि उनके पास ऐसी सोच भी है जो उन्हे भविष्य में महान वैज्ञानिक बना सकती है। विद्यालय के प्रधानाचार्य आशीष रंजन जी ने प्रदर्शिनी में आये लोगों को आश्वस्त किया कि विद्यालय भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा ताकि छात्रों को नई-नई तकनीकों और वैज्ञानिक सोच के क्षेत्र में और आगे बढ़ने के अवसर मिलते रहें। उन्होने कहा विज्ञान प्रदर्शिनी का उद्देश्य सिर्फ एक मंच प्रदान करना नही है बल्कि बच्चों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं के समाधान की ओर सोचने और काम करने के लिए प्रेरित करना है। इस कार्यक्रम में छात्रों के भीतर विज्ञान और प्रोद्योगिकी के प्रति एक नई सोच को जन्म दिया जो उन्हे भविष्य में बड़े अवसरों की ओर ले जायेगा।

थाना मानव तस्करी रोधी इकाई, जिला बाल संरक्षण इकाई व चाईल्ड लाईन के संयुक्त टीम द्वारा मानव तस्करी एवं बाल भिक्षा वृत्ति की रोकथाम हेतु चलाया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में जनपद में मानव तस्करी, बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज दिनांक 04-10-2024 को थाना मानव तस्करी रोधी इकाई, जिला बाल संरक्षण इकाई व चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट के संयुक्त टीम द्वारा थाना रावर्टसगंज अन्तर्गत उरमौरा, कस्बा सहित विभिन्न स्थानो पर मानव तस्करी एवं बाल भिक्षा वृत्ति रोकथाम हेतु विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र से ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे द्वारा बताया गया कि आज अभियान के दौरान विशेष सूत्रों से जानकारी प्राप्त हुआ की रावर्टसगंज कस्बा मे एक ब्यक्ति द्वारा नाबालिग बच्चे को अपने घर मे रखकर घर का काम करवाया जा रहा है। जिसके संबंध में टीम द्वारा मौकेपर पहुंच कर जाच किया गया टीम द्वारा सम्बंधित नियोक्ता को बच्चे के उम्र से सम्बंधित साक्ष्य सहित बाल कल्याण समिति सोनभद्र के समक्ष उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया गया है। सुधा गिरी द्वारा बताया गया कि बच्चों के सुरक्षा एवं संरक्षण से सम्बंधित सूचना तत्काल चाईल्ड हेल्पलाइन टोल फ्री नम्बर (1098) पर सूचित कर सकते है। प्रभारी निरीक्षक रामजी यादव द्वारा बताया गया कि यह विशेष जागरूकता एवं रेस्क्यू अभियान जनपद स्तर पर संयुक्त टीम द्वारा चलाई जा रही है। रेस्क्यू टीम मे जिला बाल संरक्षण इकाई से ओ डब्ल्यू शेषमणि दुबे, चाईल्ड हेल्पलाइन यूनिट से सुपरवाइजर सुधा गिरी, थाना मानव तस्करी रोधी इकाई से प्रभारी निरीक्षक रामजी यादव एवं आरक्षी पंकज कुमार उपस्थित रहे।

ग्राम रोजगार सेवक ने बुलंद की आवाज किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । कलेक्ट्रेट परिसर में ग्राम रोजगार सेवक पंचायत समिति वेलफेयर एसोसिएशन बैनर तले संगठन कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रदेश के आहवान पर शुक्रवार को ग्राम रोजगार सेवक संघ जनपद सोनभद्र जिलाध्यक्ष विनय पाण्डेय के नेतृत्व मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन द्वारा जिलाधिकारी को नव सूत्री मांगो के सम्बन्ध में ज्ञापन सौपा गया। मांग किया गया है कि मुख्यमंत्री शुक्रवार को मनरेगा कर्मचारियों व रोजगार सेवक के सम्बन्ध में कई घोषणायें की गयी थी। जो तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी लागू नही हुए। ई0पी0एफ0 फण्ड जो रोजगार सेवक के मानदेय से सरकार को जो अंशदान देना है वह भी मानदेय से काटा जा रहा है। लेकिन अभी तक खातो में जमा नही हो पाया और न ही ए0एच0आर0 पालसी लागू नही हुए साथ ही मानदेय की बढ़ोत्तरी किया जाए। जिससे परिवार का भरण-पोषण हो सके। रोजगार सेवको को नियमित कर राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाय। जिलाध्यक्ष विनय पाण्डेय ने कहा कि अगर हमारी मांगो तत्काल प्रभाव से विचार नही किया गया तो हम लोग लखनऊ में जल्द ही बड़े आन्दोलन को बाध्य होगें। उपस्थित सदस्य- वेद प्रकाश, रामनरेश पांडे, मेराज अहमद, प्रदीप सिंह राणा, अशोक निषाद, संतोष कुमार, सुनील सिंह, भूपेन्द्र कुमार, प्रशांत, गिरीश, दिवाकर संजय, अमरेश चंद्र आदि उपस्थित रहे।

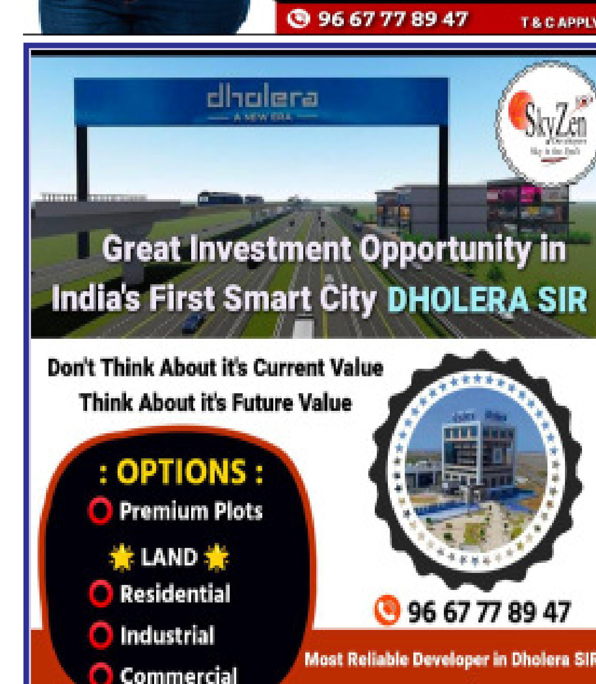

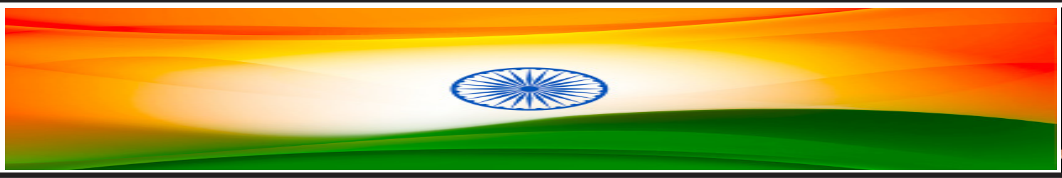

भारत

संक्षिप्त समाचार

असम में पकड़े गए 14 बांग्लादेशी, मुख्यमंत्री सरमा बोले- हम सीमा पर रख रहे कड़ी नजर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सीएम सरमा ने असम पुलिस बल की प्रशंसा करते हुए कहा कि जब से बांग्लादेश में स्थिति तनावपूर्ण हुई है। हम सीमा पर कड़ी नजर रख रहे हैं। इस अवधि में 108 घुसपैठियों को पकड़ा गया है।

असम में घुसपैठ करते हुए 14 बांग्लादेशी पकड़े गए हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि राज्य में अवैध रूप से प्रवेश करते पकड़े गए बांग्लादेशियों में से नौ के पास आधार कार्ड थे। एक्स पर सीएम सरमा ने पोस्ट किया कि बांग्लादेशियों को दक्षिण सलमारा-मनकाचर और करीमगंज जिलों में पकड़ा गया। इनमें से नौ के पास भारतीय आधार कार्ड पाए गए। सीएम ने असम पुलिस बल की प्रशंसा करते हुए कहा कि जब से बांग्लादेश में स्थिति तनावपूर्ण हुई है। हम सीमा पर कड़ी नजर रख रहे हैं। इस अवधि में 108 घुसपैठियों को पकड़ा है।

विदेश में रखी आपराधिक संपत्तियों के खिलाफ वैध घरेलू संपत्ति जब्त कर सकता है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।न्यायमूर्ति एसएम सुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति वी शिवगनम की खंडपीठ ने मंगलवार को एक आदेश जारी करते हुए कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 2(1)(यू) के तहत यह पूरी तरह से स्पष्ट है कि देश या विदेश में रखी गई ऐसी किसी भी संपत्ति या उसके बराबर मूल्य की संपत्ति का मूल्य भी अपराध की आय के रूप में माना जाएगा। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत और देश के आर्थिक हित में आपराधिक गतिविधियों के जरिए विदेश में बनाई गई संपत्तियों के खिलाफ देश में उपलब्ध समान मूल्य की वैध संपत्तियों को जब्त कर सकता है।मद्रास हाई कोर्ट ने चेन्नई में मौजूद तीन कंपनियों की तरफ से दायर एक याचिका पर सुनवाई के दौरान ये फैसला दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को दी नवरात्रि की बधाई, कहा- पावन पर्व सभी के लिए शुभकारी सिद्ध हो

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पीएम मोदी ने कहा कि देवी शैलपुत्री की आराधना के साथ नवरात्रि का आरंभ हो रहा है। नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री सिद्ध हो, यही कामना है। जय माता दी।'उन्होंने कहा कि देवी शैलपुत्री की आराधना के साथ नवरात्रि का आरंभ हो रहा है। नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री

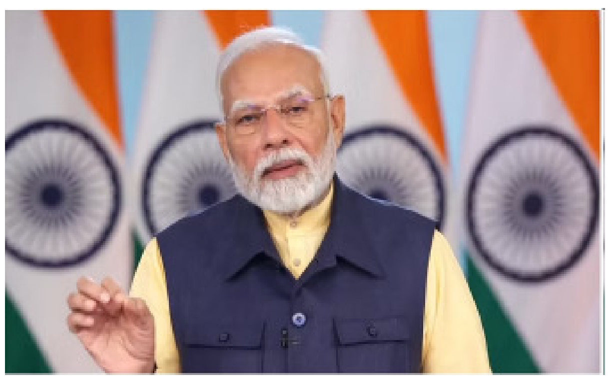

की करबद्ध प्रार्थना! उनकी कृपा से हर किसी का कल्याण हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नवरात्रि की पावन शुरुआत पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कामना की कि शक्ति-वंदना को समर्पित यह पावन पर्व हर किसी के लिए शुभकारी सिद्ध हो। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'समस्त देशवासियों को नवरात्रि की असीम शुभकामनाएं। शक्ति-वंदना को समर्पित यह पावन पर्व हर किसी के लिए शुभकारी की करबद्ध प्रार्थना! उनकी कृपा से हर किसी का कल्याण हो।प्रधानमंत्री ने इसके साथ ही मां शैलपुत्री को समर्पित एक गीत का वीडियो भी साझा किया। इस बार नवरात्र तीन से लेकर 11 अक्तूबर तक है। नवरात्र में मां दुर्गा के नौ रूपों की नौ दिन अलग-अलग पूजा होती है। नवरात्रि पूरे देश में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई जाती है। इसके बाद दशहरे का त्योहार आता है।

तेलंगाना की मंत्री ने सामंथा से मांगी माफी, नागा से तलाक को लेकर दिया था विवादित बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। उन्होंने माइक्रोब्लॉगिंग साइट '' पर लिखा, 'मेरी टिप्पणियों का इरादा महिलाओं के प्रति किसी अन्य नेता की कमतर सोच पर सवाल उठाना था। मेरा मकसद सामंथा, आपको भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था। आप जिस प्रकार आत्मबल के साथ बड़ी हुई हैं, वह मेरे लिए न केवल सराहनीय है, बल्कि एक आदर्श भी है। यदि आप या आपके प्रशंसक मेरी टिप्पणियों से आहत हैं, तो मैं बिना शर्त अपनी टिप्पणियां वापस लेती हूं.. अन्यथा मत सोचिए।' केटीआर को सामंथा-नागा तलाक से जोड़ने को लेकर तेलंगाना के मंत्री ने माफी मांग ली है। उन्होंने कहा कि वह बिना शर्त अपनी टिप्पणी वापस ले रहे हैं। दरअसल, मामले में उस वक्त बवाल खड़ा हो गया था, जब तेलंगाना के वन मंत्री कोंडा सुरेखा ने भारत राष्ट्र समिति के नेता केटी रामा राव पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने अभिनेता नागा चैतन्य और सामंथा रूथ प्रभु के तलाक के लिए केटीआर को जिम्मेदार ठहराया था। इतना ही नहीं, मंत्री ने अपने आरोपों में ड्रग्स और ब्लैकमेलिंग का भी जिक्र किया था। उन्होंने माइक्रोब्लॉगिंग साइट '' पर लिखा, 'मेरी टिप्पणियों का

इरादा महिलाओं के प्रति किसी अन्य नेता की कमतर सोच पर सवाल उठाना था। मेरा मकसद सामंथा, आपको भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था। आप जिस प्रकार आत्मबल के साथ बड़ी हुई हैं, वह मेरे लिए न केवल सराहनीय है, बल्कि एक आदर्श भी है। यदि आप या आपके प्रशंसक मेरी टिप्पणियों से आहत हैं, तो मैं बिना शर्त अपनी टिप्पणियां वापस लेती हूं.. अन्यथा मत सोचिए।'तेलंगाना की मंत्री और कांग्रेस नेता ने केटीआर को सामंथा और नागा चैतन्य के टूटे हुए रिश्ते से जोड़ते हुए आरोप लगाया कि केटीआर अभिनेत्रियों के फोन टैप करते थे और उन्हें ब्लैकमेल करते थे। के. सुरेखा ने कहा था कि केटी रामा राव की वजह से सामंथा का तलाक हुआ, वह उस समय मंत्री थे और अभिनेत्रियों के फोन टैप करते थे और फिर उन्हें ब्लैकमेल करने के लिए उनकी कमजोरियां ढूंढते थे। मंत्री ने आगे आरोप लगाया था कि केटीआर अभिनेत्रियों को ड्रग एडिक्ट बनाते थे और फिर ऐसा करते थे। इस मामले को सभी जानते हैं, सामंथा, नागा चैतन्य, उनका परिवार, हर कोई जानता है कि ऐसा कुछ हुआ था। वहीं अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने तेलंगाना की मंत्री कोंडा सुरेखा की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी थी। समांथा ने कहा था कि उनका तलाक एक व्यक्तिगत मामला था। बता दें कि सामंथा ने बुधवार शाम को सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी में स्पष्ट किया था कि उनका तलाक आपसी सहमति और सौहार्दपूर्ण था और इसमें कोई राजनीतिक साजिश शामिल नहीं थी।

कुमारस्वामी पर 50 करोड़ की रिश्वत मांगने का आरोप, व्रुए के सोशल मीडिया उपाध्यक्ष ने दर्ज कराई शिकायत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जेडीएस के सोशल मीडिया उपाध्यक्ष विजय टाटा ने कुमारस्वामी पर 50 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। उन्होंने कुमारस्वामी और एमएलसी रमेश गौड़ा के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई। विजय टाटा ने रिश्वत मांगने के अलावा दोनों नेताओं पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने अपनी शिकायत में सुरक्षा की भी मांग की।

कांगपोकपी से अगवा किए गए दो युवकों की सुरक्षित वापसी मणिपुर के मुख्यमंत्री ने सुनाई खुशखबरा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मणिपुर। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, '27 सितंबर को कांगपोकपी में अपहृत दो युवकों को सुरक्षित रिहा करा लिया गया जॉनसन सिंह के साथ गए थे, जो न्यू कीथेलमैनबी में एसएससी जीडी भर्ती परीक्षा दे रहे थे। हालांकि, वे कांगपोकपी जिले में रास्ता भटक गए। जॉनसन को सेना ने बचा लिया और पुलिस को सौंप दिया, जबकि

है। मैं राज्य और केंद्र सरकार दोनों के सभी लोगों की ईमानदारी से सराहना करता हूं, जिन्होंने उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया। आपके प्रयासों का बहुत सम्मान है। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में बंधक बनाए गए दो युवकों को गुरुवार सुबह रिहा करा लिया गया। दोनों को हथियारबंद लोगों से सुरक्षित बचाकर पुलिस को सौंप दिया गया। मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि अपहरण के सात दिन बाद उन्हें रिहा करा लिया गया। दोनों युवकों ओइनम थोइथोई सिंह और थ थोइथोइबा सिंह को वापस इंफाल ले जाया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, युवकों को गमगीफाई नाका पर कांगपोकपी के पुलिस अधीक्षक को सौंप दिया गया और वे इंफाल के लिए रवाना हो गए हैं। 27 सितंबर को दोनों युवक एन. दोनों युवकों को हथियारबंद लोगों कैद कर लिया। इसके बाद राज्य सरकार ने केंद्र की सहायता से दोनों युवकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए बातचीत की। इस बीच मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, '27 सितंबर को कांगपोकपी में अपहृत दो युवकों को सुरक्षित रिहा करा लिया गया है। मैं राज्य और केंद्र सरकार दोनों के सभी लोगों की ईमानदारी से सराहना करता हूं, जिन्होंने उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया। आपके प्रयासों का बहुत सम्मान है।इससे पहले युवकों के अपहरण के विरोध में मेइती समूह की संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) ने बंद बुलाया था। इस वजह से बुधवार को इंफाल घाटी के पांच जिलों में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ।

राजनयिक परिसर की अखंडता का सम्मान किया जाए

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा कि हम सूडान में सुरक्षा स्थिति पर नजर रख रहे हैं। किसी भी संघर्ष में राजनयिक परिसर की अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए।खार्तूम में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राजदूत के आवास पर हमले के बाद सूडान में बढ़ते तनाव पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत क्षेत्र में सुरक्षा हालात पर नजर रख रहा है। मंत्रालय ने यूएई राजदूत के आवास पर हमले पर चिंता जताई और कहा कि किसी भी संघर्ष में राजनयिक परिसर की अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा कि हम सूडान में सुरक्षा स्थिति पर नजर रख रहे हैं। किसी भी संघर्ष में राजनयिक परिसर की अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए और खार्तूम में यूएई के राजदूत के आवास पर हमले की रिपोर्ट गंभीर चिंता का विषय है।

नेपाल में बारिश को लेकर नया अलर्ट जारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। नेपाल के गृहमंत्री रमेश लेखक ने अधिकारियों और आपदा प्रबंधन एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि मौसम पूर्वानुमान में बुधवार और गुरुवार तक कोशी, बागमती प्रांतों के साथ-साथ काठमांडू घाटी में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। नेपाल सरकार ने कई दिनों तक हुई बारिश के बाद बुधवार को भारी बारिश के लिए अलर्ट जारी किया है। वहीं बाढ़ और भूस्खलन के चलते हिमालयी राष्ट्र में अब तक 240 लोगों की मौत हो चुकी है। नेपाल के गृहमंत्री रमेश लेखक ने अधिकारियों और आपदा प्रबंधन एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि मौसम पूर्वानुमान में बुधवार और गुरुवार तक कोशी, बागमती प्रांतों के साथ-साथ काठमांडू घाटी में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। लेखक ने राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए), मुख्य जिला अधिकारियों और स्थानीय निकायों से आपदाओं के संभावित जोखिम के प्रति सावधानी बरतने का आग्रह किया। मंत्रालय ने जनता से सतर्क रहने, भारी वर्षा के संभावित खतरों और उसके परिणामों को कम करने के लिए तैयार रहने की भी अपील की।लेखक ने कहा कि मैंने कोशी और बागमती प्रांत के मुख्य जिला अधिकारियों और आपदाग्रस्त प्रांतों में सभी सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों को अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। भूस्खलन और बाढ़ के कारण प्रमुख राजमार्गों और सड़कों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए लेखक ने यात्रियों से यात्रा करते समय सावधान रहने का आग्रह किया।

आपदाओं से निपटने के लिए अब दूसरे विभागों से भी मदद ले सकेंगे वन कर्मी, केंद्र की अनुमति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
उत्तराखंड । उत्तराखंड के मुख्य सचिव ने मंत्रालय और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को पत्र लिखकर जंगल में बार-बार आग लगने की आशंका वाले क्षेत्रों के लिए प्रभावी उपाय तलाशने और विकसित करने को कहा था। इसके बाद ये दिशानिर्देश जारी किए गए। केंद्र सरकार ने कहा है कि राज्य वन विभाग के पास जरूरी तकनीकी विशेषज्ञता के अभाव में आपात परिस्थितियों में अन्य सरकारी विभागों को प्राकृतिक आपदाओं को रोकने के लिए वन क्षेत्रों में वानिकी गतिविधियों की इजाजत दी जा सकती है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने मंगलवार को जारी दिशानिर्देशों में विस्तार से उन उपायों का जिक्र किया है जिन्हें वन क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं को रोकने या उनके प्रबंधन के लिए किया जा सकता है। उत्तराखंड के मुख्य सचिव ने मंत्रालय और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को पत्र लिखकर जंगल में बार-बार आग लगने की आशंका वाले क्षेत्रों के लिए प्रभावी उपाय तलाशने और विकसित करने को कहा था। इसके बाद ये दिशानिर्देश जारी किए गए। इसमें आग लगने की आशंका वाले क्षेत्रों में समय से पहले वन कर्मचारियों को तैयार करने के लिए 'मॉक ड्रिल' करने को भी कहा गया है। साथ ही सरकारी विभागों को वन क्षेत्रों में मृदा एवं जल संरक्षण कार्य करने की अनुमति देने का आग्रह किया गया है।मंत्रालय की वन परामर्श समिति की 27 अगस्त को हुई बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की गई थी। मंत्रालय ने मंगलवार को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को लिखे खत में कहा कि वन (संरक्षण एवं संवर्धन) अधिनियम, 1980 और संबंधित दिशानिर्देशों के अनुसार आपातकालीन स्थितियों जैसे प्राकृतिक आपदाओं में उन वन क्षेत्रों में कुछ वानिकी गतिविधियां की जा सकती हैं, जहां वन्यजीवों, मानव जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता होती है। इन गतिविधियों में 'फायर लाइन' स्थापित करना और उनका रखरखाव करना तथा मृदा एवं जल संरक्षण के लिए चेक डैम, जल टैंक, खाइयों और पाइपलाइन जैसी संरचनाओं का निर्माण करना शामिल है।

बंगाल में 60 हजार करोड़ की 61 रेल परियोजनाएं अटकी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बंगाल। सियालदह स्टेशन पर कई रेलवे परियोजनाओं और ट्रेन सेवाओं का उद्घाटन करने के बाद रेल मंत्री ने कहा, कि इस तरह

के निवेश तभी संभव होंगे, जब राज्य सरकार सहयोग करेगी। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि 26 किलोमीटर की मेट्रो रेलवे परियोजनाएं हैं, जहां भूमि संबंधी मुद्दों के कारण काम आगे नहीं बढ़ सका। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पश्चिम बंगाल में रेलवे की 60,000 करोड़ रुपये की करीब 61 परियोजनाएं राज्य सरकार की वजह से अटकी पड़ी हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के लिए रेलवे को भूमि सौंपने का काम रुका पड़ा है। टीएमसी सरकार राजनीति से ऊपर नहीं उठ रही है। सियालदह स्टेशन पर कई रेलवे परियोजनाओं और ट्रेन सेवाओं का उद्घाटन करने के बाद रेल मंत्री ने कहा, कि इस तरह के निवेश तभी संभव होंगे, जब राज्य सरकार सहयोग करेगी। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि 26 किलोमीटर की मेट्रो रेलवे परियोजनाएं हैं, जहां भूमि संबंधी मुद्दों के कारण काम आगे नहीं बढ़ सका। वैष्णव ने कहा, लोगों के कल्याण को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। विकास समय की मांग है। रेलवे परियोजनाओं को लेकर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए।

पीएम मोदी ने असम को दिया चार बायो-गैस इकाइयों का तोहफा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।पीएम मोदी ने कहा,

गोबर हमारे गांवों में बदलाव ला रहा है। भारत के गांवों में सैकड़ों बायो-गैस संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले गांव वालों के लिए गोबर का प्रबंधन एक समस्या थी, लेकिन अब इन बायो-गैस संयंत्रों के आने से अप्रभावी पशुओं का गोबर भी हमारे किसानों की मदद कर रहा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम में ऑयल इंडिया लिमिटेड की चार कंप्रेस्ड बायो-गैस (सीबीजी) संयंत्रों के निर्माण की शुरुआत की। यह कार्यक्रम स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर देशभर में कई सीबीजी संयंत्रों के लिए आयोजित भूमि पूजन समारोह का हिस्सा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली से वर्चुअली इसका उद्घाटन किया। पीएम ने भोपाल में भी एक संयंत्र का उद्घाटन किया। इससे सतत और पारिस्थितिकी-सम्मत ऊर्जा परिदृश्य को बढ़ावा दिया जा सकेगा। असम में प्रमुख ओआईएल परियोजनाएं गुवाहाटी, जोरहाट, शिवसागर और तिनसुकिया में स्थित हैं। पीएम मोदी ने कहा, गोबर हमारे गांवों में बदलाव ला रहा है। भारत के गांवों में सैकड़ों बायो-गैस संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं।

पराली से प्रदूषण मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज, बृज बिहारी प्रसाद हत्याकांड में भी आएगा फैसला

27 सितंबर को हुई सुनवाई में शीर्ष अदालत ने मामले को महत्वपूर्ण बताते हुए दिल्ली में वायु प्रदूषण पर काबू पाने में नाकामी पर सीएक्यूएम को फटकार लगाई थी। पराली जलने से दिल्ली-एनसीआर में होने वाले वायु प्रदूषण को रोकने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में दाखिल कर दी है। सुप्रीम कोर्ट आयोग की रिपोर्ट पर आज सुनवाई कर सकता है। वहीं सुप्रीम कोर्ट 1998 में बिहार के पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की हत्या में पूर्व सांसद सूरजभान सिंह व आठ अन्य को बरी करने वाले पटना हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती वाली अपीलों पर भी बृहस्पतिवार को फैसला सुनाएगा। जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस आर महादेवन फैसला सुनाएंगे। शीर्ष अदालत ने 22 अगस्त को इस मामले में फैसला सुरक्षित रखा था। जस्टिस अभयएस ओका, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्ला और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने की मांग वाली विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई

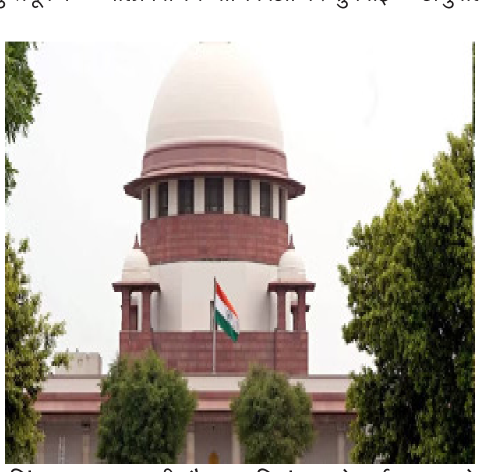

कर रही है। 27 सितंबर को हुई सुनवाई में शीर्ष अदालत ने मामले को महत्वपूर्ण बताते हुए दिल्ली में वायु प्रदूषण पर काबू पाने में नाकामी पर सीएक्यूएम को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने कहा था कि पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए उसे और अधिक सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है।पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि पराली जलाने के वैकल्पिक उपकरणों का जमीनी स्तर पर उपयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रयासों की जरूरत है। शीर्ष अदालत ने पैनल को बेहतर अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने (सीएक्यूएम) के अध्यक्ष राजेश वर्मा से कहा था कि आपने अब तक अधिनियम के एक भी प्रावधान का अनुपालन नहीं किया है। क्या धारा 11 के अंतर्गत समितियां बनाई गई हैं? यह सब हवा में है। ऐसे में पराली से होने वाले वायु प्रदूषण से कैसे निपटेंगे?सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हर साल पराली जलाने की समस्या सामने आती है। पराली जलाने के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। शीर्ष अदालत ने कहा था कि पराली से निपटने की सभी कार्रवाई सिर्फ कागजों पर हो रही हैं। हमें आपके कागज में कोई दिलचस्पी नहीं है। हमें एक भी निर्देश दिखाओ जो उन्होंने जारी किया हो। कोर्ट ने कहा कि क्या सीएक्यूएम अधिनियम की धारा 14 के तहत कोई कार्रवाई की गई है आप मूकदर्शक बने हुए हैं।

युवकों के अपहरण के विरोध में बंद रही इंफाल घाटी, सड़कों को किया गया अवरुद्ध, जनजीवन प्रभावित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रदर्शनकारियों ने इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, काकचिंग और थौबल जिलों में सड़कों को अवरुद्ध कर

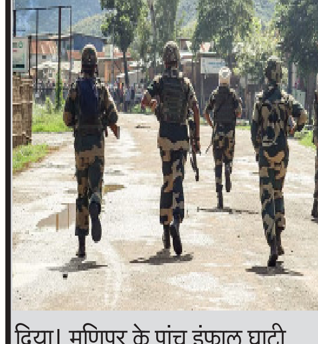

दिया। मणिपुर के पांच इंफाल घाटी जिलों में मैतेई समूह जॉइंट एक्शन कमेटी (जेएसी) की ओर से दो युवकों के अपहरण के विरोध में बुलाए गए बंद के कारण बुधवार को सामान्य जीवन प्रभावित हुआ। पुलिस के मुताबिक, दुकानें और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। प्रदर्शनकारियों ने इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, काकचिंग और थौबल जिलों में सड़कों को अवरुद्ध कर दिया। थौबल में, जहां बंद मंगलवार की सुबह शुरू हुआ, महिलाओं ने एनएच 102 को मेले ग्राउंड, वांगजिंग, यैरिपोक और खंगाबोक पर अवरुद्ध किया। जेएसी के समन्वयक एल सुभोल ने कहा कि यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक युवकों को रिहा नहीं किया जाता। उल्लेखनीय है कि थौबल जिले के तीन युवकों का कथित रूप से पिछले हफ्ते कांगपोकपी में अपहरण किया गया था।मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बुधवार को सभी समुदायों से राज्य में जारी संकट को सुलझाने के लिए राजनीतिक चर्चाओं में भाग लेने की अपील की। राष्ट्रीय स्वच्छता दिवस के अवसर पर, सिंह ने कहा, महात्मा गांधी की जयंती और राष्ट्रीय स्वच्छता दिवस के अवसर पर, मैं सभी से सत्य, अहिंसा और स्वच्छता की भावना को अपनाने का आग्रह करता हूं।

अच्छा काम करके भी वोट नहीं मिल सकता'; राजनीति में हो रहे बदलावों पर किरेन रिजिजू चिंतित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। किरेन रिजिजू ने कहा कि राजनीतिक दृष्टि से भी सामाजिक व्यवस्था बहुत बिगड़ गई है। मैं सोचता रहता हूं कि जब

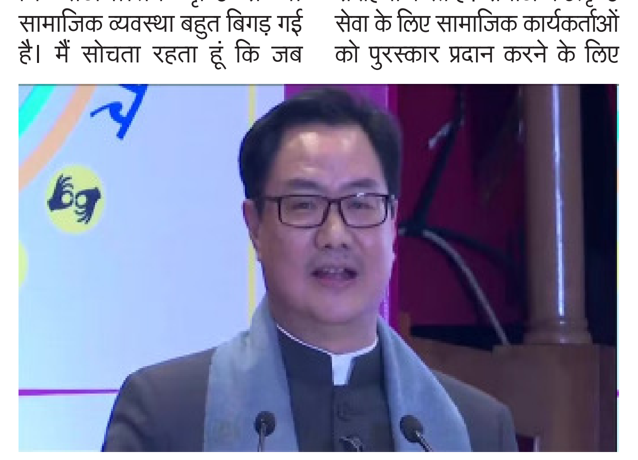

हम नए सांसद बने थे, तो हमारे पास कितने अच्छे विचार थे। लोकसभा और राज्यसभा में अद्भुत चर्चाएं होती थीं। आज इतना शोर है कि अच्छा बोलने वालों की कोई सुनने को तैयार नहीं है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को राजनीति में होते बदलाव पर अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि संसद में पहले मुद्दों को लेकर चर्चा होती थी, लेकिन आज शोर गूंजता है। पिछले कुछ वर्षों में लोगों की मानसिकता बदली है। उन्होंने कहा कि आज के समय में बहुत कम लोग ऐसे हैं जो अच्छे काम की सराहना करते हैं। समाज में उत्कृष्ट सेवा के लिए सामाजिक कार्यकर्ताओं को पुरस्कार प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय सेवा भारती और संत ईश्वर फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसको संबोधित करते हुए रिजिजू ने कहा, 'मैंने पिछले कुछ वर्षों में राजनीति में बदलाव होते देखा है। आज आप अच्छा काम करके भी वोट नहीं पा सकते...अगर आप किसी अच्छी चीज के बारे में बात करते हैं तो कोई सुनता भी नहीं है।'उन्होंने कहा कि राजनीतिक दृष्टि से भी सामाजिक व्यवस्था बहुत बिगड़ गई है। आज एक संसदीय कार्य मंत्री होने के नाते, मैं सोचता रहता हूं कि जब हम नए सांसद बने थे, तो हमारे पास कितने अच्छे विचार थे। लोकसभा और राज्यसभा में अद्भुत चर्चाएं होती थीं। आज इतना शोर है कि अच्छा बोलने वालों की कोई सुनने को तैयार नहीं है।रिजिजू ने आगे कहा कि मैं अन्य सांसदों से इसके बारे में पूछता हूं। मैं किसी का नाम नहीं लूंगा, क्योंकि यह कोई राजनीतिक मंच नहीं है। वे कहते हैं कि अगर आप अच्छी चीजों के बारे में बात करते हैं तो मीडिया इसे कवर नहीं करता है। अगर आप संसद में गाली देते हैं और हंगामा करते हैं, तभी यह खबर बनती है। केंद्रीय मंत्री ने छात्रों के सीखने के परिणाम पर भी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मैं सीमावर्ती क्षेत्र से आता हूं। मेरे बचपन में वहां कोई स्कूल और सड़क नहीं थी। हमारे पास कोई सुविधा नहीं थी। शिक्षक, विशेष रूप से यूपी, बिहार, बंगाल और असम से, चार-पांच किलोमीटर की यात्रा करके हमारे गांव आते थे उन्होंने कहा कि शिक्षकों ने हमें मूल्यों और समाज के बारे में जो सिखाया, हम कभी नहीं भूले। लेकिन, आज बच्चे कॉन्वेंट और पब्लिक स्कूलों में पढ़ते हैं।

मिर्ज़ापुर सोनभद्र

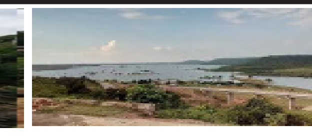

जिले में गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय व कोचिंग संस्थान हो पूर्णत: हो बंद :अभाविप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । शुक्रवार अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सोनभद्र के कार्यकर्ताओ ने जिले में व्याप्त शैक्षिक समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय का घेराव एवं विरोध प्रदर्शन कर दस सूत्रीय मांगों का ज्ञापन जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह को दिया। विभाग सहसंयोजक सौरभ सिंह ने कहा की सोनभद्र जनपद में निजी विद्यालयों द्वारा शिक्षा का बाजारीकरण इस प्रकार से किया जा

रहा है की वह अपने विद्यालय में ही किताबें व विद्यालय की ड्रेस को खरीदने का दबाव अभिभावकों के ऊपर बनाते हैं जो की भारत सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के विरुद्ध है। जनपद में सिबिएसी, आईसीएससी व यूपी बोर्ड के विद्यालयों द्वारा एक बार विद्यार्थियों के प्रवेश होने के पश्चात जब वह उत्तीर्ण होकर दूसरी कक्षा में प्रवेश लेता है तो एनुअल फीस के नाम पर मनमानी तरीके से अभिभावकों से एडमिशन फीस एक मुस्त ली जाती है इसे लेकर प्रति वर्ष छात्रों से ली जाने वाली फीस पर रोक लगे व एक गाइडलाइन तैयार की जानी चाहिए की निजी विद्यालयों द्वारा जब किसी नए विद्यार्थी द्वारा विद्यालय में नया एडमिशन लिया जाए तब एडमिशन फीस का एक मानक तय किया जाए जिससे अभिभावकों के ऊपर अनावश्यक बोझ न पड़े। जनपद में अधिकतम निजी विद्यालय निजी प्रकाशन की पुस्तक अपने विद्यालय में चला रहे हैं जो की नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के विपरीत है इन विद्यालयों को चयनित करके इन पर कार्रवाई करनी चाहिए 4. जनपद में विद्यालय में खेलकूद व प्रयोगशाला से संबंधित समुचित ना ही सामग्रियां है ना ही खेल मैदान व न ही खेल की सामग्रियां विद्यालय में उपस्थित है इसके बावजूद वार्षिक शुल्क में इसके नाम पर मोटी रकम अभिभावकों से वसूली जाती है जो की अभिभावकों पर एक बोझ के समान है। जनपद के विद्यालयों की बिल्डिंगों में आग से बचाव हेतु व्यवस्थाएं नहीं है साथ ही विद्यार्थियों को आग लगने से बचाव के तरीके भी उन्हें नहीं बताए जाते जो की किसी भी अप्रिय घटना के समय विद्यार्थियों को आहत कर सकती है। जिससे अभिभावकों के ऊपर किसी प्रकार का बोझ न पड़े। णॅएण् बोर्ड के नियमों के अनुसार विद्यालय में 2 वे सीढ़ी होनी चाहिए लेकिन णॅएण् बोर्ड के कोई भी विद्यालय इस मानक को पूर्ण नही करते है। जिले में संचालित हो रहे बिना मान्यता प्राप्त विद्यालय व कोचिंग संस्थान को पूर्णतः बंद कराया जाए। अतः विद्यार्थी परिषद ने यह मांग किया की उपरोक्त सभी बिंदुओं पर जनपद स्तर के प्रशासनिक अधिकारियों की के दिशा निर्देशन में जांच कमेटी का गठन किया जाए जिसमें सामाजिक लोगों की भी सहभागिता हो व विद्यार्थी परिषद के भी दो प्रमुख कार्यकर्त्ता उस जांच कमेटी में सदस्य हूं जिससे विद्यार्थी भविष्य में नए कीर्तिमान स्थापित कर सकें। अंततः अभाविप कार्यकर्ताओं ने यह चेतावनी भी दिया की यदि एक सप्ताह के भीतर इन मांगों को लेकर किसी प्रकार की अगर कार्यवाही नहीं की जाती है तो विद्यार्थी परिषद छात्रों के अच्छे भविष्य के लिए उनके हक की लड़ाई लड़ने के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक के खिलाफ़ आंदोलन करने हेतु बाध्य होगी। इस दौरान विभाग सह संयोजक सौरभ सिंह पंकज, प्रांत जनजाति कार्य संयोजक मनमोहन निषाद, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य राहुल जालान, ललितेश मिश्रा,शिखर सोनी, रंजीत पटेल,श्याम पाठक,अनमोल केशरी, विकास केशरी,श्याम गिरी,गुलाब, असलम इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

प्राथमिक विद्यालय परिसर में जमा घांस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । विकास खंड नगवां के पहाड़ी ग्राम पंचायतों में शिक्षा का हाल बहुत खराब है उदासीन शिक्षा विभाग और ग्राम प्रधान की लापरवाही से नौनिहालों को शिक्षा ग्रहण करने में हो रही है भारी कठिनाई।जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत बैजनाथ के प्राथमिक विद्यालय में घांस फूस का जंगल लगा है ग्रामीण नंदू शर्मा ने बताया कि आज तक कोई सफाईकर्मी गांव में नही आया है ग्राम प्रधान और अधिकारियों के संरक्षण में घर पर रहकर ही अपने वेतन का लाभ उठा रहा है यही वजह है कि ग्राम पंचायत की नालियों सहित प्राथमिक विद्यालय परिसर में गंदगी का अंबार लगा है हर रोज बच्चे इसी घांस फूस से होकर विद्यालय में प्रवेश करते है तमाम प्रकार के विषैले सापों के काटने का खतरा बना रहता है।विद्यालय के भवन ऐसे है जैसे की कई दशकों से इनकी रंगाई पुताई नहीं की गई है जबकि हर वर्ष सरकार रंगाई पुताई हेतु विद्यालय प्रबंधन समिति और प्रभारी प्रधानाचार्य के सह खातों में पर्याप्त धन देती है पहाड़ी क्षेत्र होने के नाते प्रधानाचार्य द्वारा सरकारी धन का

बंदर बांट कर लिया जाता है ।ग्राम पंचायत में सरकारी भवन ग्राम प्रधान के अधीन होते है ऐसे में इस प्रकार की लापरवाही में ग्राम प्रधान की मौन सहमति है। ग्रामीणों ने कहा कि विद्यालय परिसर में लगा हैंडपंप वर्षो से खराब पड़ा है शौचालय भी अधूरा है गड्ढे भी अधूरे है उनको ढाका नही गया है पानी पीने के लिए बच्चे अपने घर से बोतल में पानी लेकर विद्यालय जाते है अधूरे पड़े शौचालय के वजह से बच्चे शौच के लिए बाहर जाते है। एक ओर जहां सरकार हर वर्ष शिक्षा बच्चों के सम्पूर्ण विकाश के लिए भारी भरकम बजट खर्च कर रही है वही ग्राम प्रधान और शिक्षा विभाग के मिलीभगत से सरकारी धन का बंदर बांट कर लिया जाता है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी का ध्यान आवृकृष्ट कराते हुए विद्यालय परिसर में साफ सफाई और पेयजल की व्यस्था करने हेतु सम्बन्धित को आदेशित करने की मांग की है।

थाना शक्तिनगर क्षेत्र के एक वायरल विडियो में एक युवक को मारने-पीटने व उसके ऊपर पेशाब की घटना कारित करने वांछित 02 नफर अभियुक्तों को थाना शक्तिनगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । ट्वीटकर्ता शिवा खरवार द्वारा ट्वीट किया गया कि मेरे भाई पवन खरवार के मुंह में जबरन पेशाब करने वाले थाना शक्तिनगर चौकी या 112 पर कोई सूचना नही दी गयी थी । उक्त घटना के सम्बन्ध में थाना शक्तिनगर पर मु0अ0सं0-121/2024 धारा 191(2), 191(3), 190, 115(2), 352, 351(2), लिया गया । **गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण-** 1.श्रवण कुमार पुत्र शमशेर बहादुर निवासी निमियाटाड, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 23 वर्ष

जनपद सोनभद्र के पेशेवर अपराधी हैं हम दलित आदिवासी को जीने का हक नहीं । थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा उक्त ट्वीट का तत्काल संज्ञान लेकर वादी पक्ष से वार्ता कर घटना क्रम की जानकारी की गई जिसमें वादी के भाई द्वारा बताया गया कि यह घटना 26.09.2024 समय लगभग 19.00 से 20.00 बजे के बीच की है । घटना, वादी/पीड़ित के मोहल्ले के ही लोगो के द्वारा कारित की गई है । वादी द्वारा यह भी बताया गया कि घटना के बाद पीड़ित तुरंत बैढ़न (मध्य प्रदेश) इलाज हेतु परिवार के साथ चला गया था तथा उनके द्वारा थाना/ 109, 117 (2), 133 बीएनएस व 7 सीएलए एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया । पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी पिपरी के नेतृत्व में थाना शक्तिनगर पुलिस की टीम गठित की गयी । उक्त गठित टीम द्वारा उक्त अभियोग में वांछित 02 नफर अभियुक्तगण को मुखबिर की सूचना पर आज दिनांक-04.10.2024 को समय 11.20 बजे थाना शक्तिनगर अन्तर्गत पी0डब्ल्यू0डी0 मोड़ से गिरफ्तार कर । 2.निखिल कुमार पुत्र रामजनम निवासी निमियाटाड, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 21 वर्ष । **गिरफ्तार करने वाले पुलिस टीम का विवरण-** 1.प्रभारी निरीक्षक कुमुद शेखर सिंह थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र। 2.उ0नि0 योगेन्द्र पाण्डेय थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र। 3.उ0नि0 प्रकाश थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र। 4.हे0का0 जय प्रकाश थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र। 5.का0 केवल कुमार थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र। 6.का0 विनय थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र।

नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की भक्तों ने की आराधना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । शारदीय नवरात्रि की प्रतिपदा तिथि है। इस दिन कलश स्थापना की जाती है। नौ दिनों तक मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की उपासना की जाती है। मां दुर्गा की पूजा करने से साधक ही हर मनोकामना पूरी होती है। इसके साथ ही घर में सुख एवं समृद्धि आती है। शारदीय नवरात्रि के पहले दिन घटस्थापना पर 3 दुर्लभ एवं शुभ योग का निर्माण हो रहा है। इन योग में जगत की देवी मां दुर्गा की पूजा करने से साधक को अक्षय फल की प्राप्ति होगी। नवरात्रि के प्रथम दिन मां शैलपुत्री की आराधना होती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार मां शैलपुत्री हिमालयराज की पुत्री हैं। आइए जानते हैं नवरात्रि के प्रथम दिन कलश स्थापना का मुहूर्त, मां शैलपुत्री की पूजा विधि, आरती भोग और मंत्र सब कुछ। वही अचार सौरभ कुमार भारद्वाज ने बताया कि कलश स्थापना तिथि और मुहूर्त कलश स्थापना मुहूर्त, द्वि-स्वभाव कन्या लग्न के दौरान है। प्रतिपदा तिथि प्रारम्भ - अक्तूबर 03, 2024 को 12:18 बजे प्रतिपदा तिथि समाप्त - अक्तूबर 04, 2024 को 02:58 बजे कलश स्थापना शुभ मुहूर्त कन्या लग्न प्रारम्भ - अक्तूबर 03, 2024 को 06:15 बजे कन्या लग्न समाप्त - अक्तूबर 03, 2024 को 07:21 सुबह बजे कलश स्थापना मुहूर्त - 06:15 से 07:21 अवधि - 01 घण्टा 06 मिनट कलश स्थापना अभिजित मुहूर्त - 11:46 ए एम से 12:33 पी एम अवधि - 00 घण्टे 47 मिनट देवी शैलपुत्री वृषभ पर सवार हैं। माता ने श्वेत रंग के वस्त्र ही धारण किये हुए हैं। इनके दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प होता है। मां का यह रूप सौम्यता, करुणा, स्नेह और धैर्य को दर्शाता है। मान्यता है कि मां शैलपुत्री की पूजा करने से व्यक्ति को सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। शास्त्रों के अनुसार मां शैलपुत्री चंद्रमा को दर्शाती हैं। मां दुर्गा के शैलपुत्री स्वरूप की आराधना करने से चंद्र दोष से मुक्ति भी मिलती है।

थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस द्वारा दुष्कर्म से सम्बन्धित प्रकरण में वांछित एक नफर अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) व क्षेत्राधिकारी सदर के निकट पर्यवेक्षण में महिला उत्पीड़न सम्बन्धी अपराध/अपराधियों पर अंकुश लगाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना मांची पुलिस टीम द्वारा थाना मांची पर पंजीकृत मु0अ0सं0 57/2024 धारा 115(2), 352, 351(2), 324(2), 333, 64(1) बी.एन.एस. से सम्बन्धित प्रकरण में वांछित अभियुक्त मनीष पुत्र रामसिंहासन धोबी निवासी ग्राम धर्मदासपुर थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र को ग्राम धर्मदासपुर से गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय रवाना किया गया । **गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-** 01. मनीष कुमार वर्मा पुत्र रामसिंहासन धोबी निवासी ग्राम धर्मदासपुर थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र उम्र करीब 20 वर्ष । **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण-** 1. प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र । 2. हे0का0 हरिनारायण यादव थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र । 3. का0 मनोज कुमार यादव थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र ।

ग्राम सभा सिंदुरी में 85 लोगों को दिलाई भाजपा की सदस्यता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । भारतीय जनता पार्टी सिरसा नेतृत्व के द्वारा सदस्यता अभियान 15 अक्टूबर तक चलना है उक्त के क्रम में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत द्वारा ग्राम सभा सिंदुरी में जाकर सम्मानित जनता युवा बुजुर्ग शिक्षक वकील आदि को भारतीय जनता पार्टी से नेतृत्व से 85 लोगो को सदस्यता दिलाते हुए जोड़ा गया। वहीं सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य व प्रदेश सदस्य रामचंद्र कनौजिया के दिशा निर्देश में भाजपा अनुसूचित मोर्चा द्वारा महापर्व सदस्यता अभियान तीव्र गति से चलाया जा रहा है जिसमें अधिक से अधिक घरों तक पहुंच कर लोगों को जोड़ने का काम किया जा रहा है इस मौके पर ग्राम प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्य उपस्थित रहे अमरजीत दुबे ग्राम प्रधान अरविंद आलोक रावत राजू कनौजिया सहित पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित है।

तेंदू पत्ता मामले के मुख्य खिलाड़ी पुलिस वन विभाग की गिरफ्त से बाहर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । विकास खंड नगवां माची थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत चरगडा में पंचायत भवन और सामुदायिक भवन

से अवैध तरीके से बेचे जा रहे तेंदू पत्ता से लदी पिकअप और चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जंगल विभाग को सौप दिया था जिस मामले में जंगल विभाग ने पिकअप को सीज कर दिया और चालक को जेल भेज दिया गया था वन विभाग के इस कार्यवाही ने कई सवाल खड़े कर दिए पहला ग्राम पंचायत भवन और सामुदायिक भवन में रखे लाखों के तेंदू पत्ता किसके कौन है इसका असली खिलाड़ी , रविवार के दिन पंचायत भवन खोलकर पंचायत सहायक की उपस्थिति में तेंदू पत्ता पिकअप में लोड हो रही थी , ग्राम पंचायत के पंचायत भवन और सामुदायिक भवन ग्राम प्रधान के अधीन होते हैं क्या उनको इस प्रकार की गतिविधियों की जानकारी नहीं थी क्या वे ग्राम पंचायत ने निवास नहीं करते है , क्या ग्राम पंचायत अधिकारी को इसकी जानकारी थी नहीं थी तो इसका मतलब साफ है की ग्राम पंचायत अधिकारी गांव में जाते ही नहीं है, अब सवाल यह उठता है कि ग्राम प्रधान और पंचायत सहायक को पंचायत भवन और सामुदायिक भवन में तेंदू पत्ता रखकर गोरखधंधा करने की छूट किसने दी , वहां एक जातीय विशेष के लोग प्रभावशाली है क्या जीरो टालेंस की योगी सरकार के राज में इस प्रकार का कार्य ग्राम पंचायत भवन और सामुदायिक भवन से किया जाना न्याय संगत है क्या पुलिस और वन विभाग को इस मामले की उच्चाधिकारियों द्वारा जांच करवाना उचित नहीं है अगर पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच किया जाय तो इस मामले में कुछ बड़े नाम सामने आ सकते है। क्या पंचायती राज विभाग द्वारा अवैध तेंदू पत्ते के बिक्री के लिए वन माफियाओं द्वारा पंचायत भवन और सामुदायिक भवन का प्रयोग करने पर ग्राम प्रधान और पंचायत सहायक के विरुद्ध कार्यवाही करेगा। इस मामले में जब वन विभाग के ठेकेदार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि चरगड क्षेत्र के तेंदू पत्ता वन विभाग को नही मिलता वहां के प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा तेंदू पत्ता रखकर बाद में ऊंचे दामों में बेचा जाता है वहां कोई फड़ मुंशी तैयार ही नहीं होते है इतना भय है इस पूरे खेल में कही न कही ग्राम प्रधान और पंचायत सहायक की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है लोगों ने जिलाधिकारी सोनभद्र से पूरे प्रकरण की गहराई से जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की मांग की है।

राष्ट्रीय युवा अंदर-19 बालक एवं बालिका हैमर बॉल चैंपियनशिप हुए समानित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । प्रकाश जीनियस पब्लिक इंग्लिश स्कूल के बच्चों ने लखनऊ के उँएंउ क्रिकेट एकेडमी स्टेडियम

में हैमर बॉल यूथ नेशनल चैंपियनशिप में बेहतरीन प्रदर्शन किया । यह पहली राष्ट्रीय युवा अंदर-19 बालक एवं बालिका हैमर बॉल चैंपियनशिप 2024-25 में कई टीमों को हराते हुए दूसरा स्थान प्राप्त कर उपविजेता की कप अपने नाम किया और विद्यालय तथा अपने परिजनों का नाम रोशन किया। इस चैंपियनशिप में बालक तथा बालिकाओं की अलग-अलग टीमें भेजी गई थी जिसमे बालक वर्ग से हर्ष ,रिशु ,अंशु ,अजीत, संतोष ,सूर्योदय ,यश ,सुमित , वीरेंद्र तथा बालिका वर्ग से अल्का ,आरना, जानवी, वैष्णवी , सुप्रिया ,अर्पिता, आकांक्षा ,सुहानी ,जानवी तथा निकिता आदि बच्चों ने प्रतिभाग किया । विद्यालय के खेल शिक्षक दीपक श्रीवास्तव ने बताया कि बच्चों के कड़ी मेहनत और लगन से यह कप जीतने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है । विद्यालय के प्रबंध निदेशक राजेंद्र प्रसाद जैन ने बच्चों की खूब प्रशंसा की तथा उनके कोच दीपक श्रीवास्तव को भी खूब बधाइयां दिए साथ ही विद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष कुमार पांडे, प्रधानाचार्य अंबर उपाध्याय तथा उप प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमार यादव आदि सभी ने मिलकर बच्चों को मेडल पहनाया तथा प्रमाण पत्र देते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। विद्यालय के प्रबंध निदेशक ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि बच्चे हमारे आने वाले कल का भविष्य हैं हमें इन्हें आगे बढ़ाने के लिए हमेशा प्रोत्साहित करते रहना चाहिए । अगला अंडर 17 के चैंपियनशिप आगरा में आयोजित की गई है जो 27 से 29 दिसंबर तक चलेगा यह चैंपियनशिप नेशनल यूथ अंदर 17 के बीच होगा।

धारा 80 के नाम पर चल रहे खेल की हो उच्चस्तरीय जांच - गिरीश पाण्डेय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । ओबरा तहसील में अनुसूचित / जनजाती के लोगों की जमीनों को धारा 80 करवाने के नाम पर घूस लेते गिरफ्तार एक लेखपाल मामले में समाजसेवी गिरीश पाण्डेय ने ओबरा तहसील प्रशासन पर भी गंभीर आरोप लगाया है। पूर्वांचल नव निर्माण मंच के पूर्व उपाध्यक्ष गिरीश पाण्डेय ने कहा कि जब से ओबरा तहसील बनी है तब से खनन उद्यमी स्थानीय अनुसूचित जनजातियों की जमीन को तहसील प्रशासन की सांठगांठ से धारा 80 करवाकर तेजी से उस जमीन का बैनामा अपने नाम से औने-पौने दाम पर ले रहे हैं। जिसकी पुष्टि गिरफ्तार किए गए लेखपाल मामले से भी किया जा सकता है। गिरीश पाण्डेय ने जिलाधिकारी सोनभद्र से मामले को गंभीरता से लेते हुए ओबरा तहसील निर्माण के बाद से अबतक हुए धारा 80 की जमीनों और उनके बैनामों की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग करते हुए दावा किया कि यदि ईमानदारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो गई तो इस मामले में बड़े उद्योगपति एवं सफेदपोश तथा अधिकारी भी इस काले खेल में लिप्त पाये जायेंगे

ग्रैंड डांडिया नाइट सेलिब्रेशन की तैयारियों को आयोजक दे रहे हैं अंतिम रूप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । द हैप्पी सोल ग्रुप की ओर से कल दिनांक 5 अक्टूबर दिन शनिवार की शाम 6:00 बजे से ग्रैंड

डांडिया नाइट कार्यक्रम का आयोजन राबर्ट्सगंज स्थित सोन पैलेस में किया जा रहा है। जिसकी तैयारी जोरों शोरों से चल रही है। आयोजन समिति की सुषमा सिंह ने बताया कि डांडिया नाइट की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा। इसमें महिलाएं चनिया चोली और पुरुष कुर्ता पजामा के पारंपरिक वेशभूषा में सज धज कर डांडिया खेलते हुए नजर आएंगे। डांडिया प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को बेस्ट कपल का अवॉर्ड दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसमें डांस के साथ साथ लोग विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भी लुत्फ उठा सकेंगे। कार्यक्रम में बतौर अतिथि के रूप में डॉ अनुपमा सिंह , डॉ वीणा सिंह , डॉ नम्रता सिंह , डॉ प्रियम्बदा सिंह , डॉ गीता कुमारी उपस्थित रहेंगी। उन्होंने आगे बताया कि इस कार्यक्रम में रंग बिरंगी लाइटों से भरपूर रहेगा आयोजन स्थल और साथ ही इसमें कई फेमस डीजे आर्टिस्ट भी पहुंचेंगे। अब तक कुल 200 लोगों की एंट्री का पास जारी हो चुका है। इस पूरे आयोजन तैयारियों में समिति की सारिका सिंह, सुशीला सिंह, मधु मौर्य, रूपा गुप्ता, शशिबाला सिंह व निकिता गुप्ता लगी हुए हैं।

मुकुट पूजन के साथ नगर की रामलीला का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । जिला मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज नगर स्थित रामलीला मैदान में गुरूवार की देर रात मुकुट पूजन के साथ रामलीला का शुभारंभ हुआ। इसके पूर्व समिति के अध्यक्ष पवन कुमार जैन ने नगर के प्राचीन मंदिर ब्रह्मा बाबा और बांके बिहारी मंदिर में पूजा अर्चन किया। वहीं रामलीला के प्रथम दिन नारद मोह के लीला का मंचन हुआ। इस रामलीला देखने आए दर्शकों ने खूब आनंद लिया। इस अवसर पर रामलीला समिति के अध्यक्ष पवन कुमार जैन, संरक्षक जितेंद्र सिंह, महामंत्री सुशील पाठक, कोषाध्यष राकेश गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, रामप्रसाद यादव, प्रशांत जैन, रविंद्र केसरी, संगम गुप्ता, मनोज जालान, मनीष खंडेवाल, आनंद मिश्रा, हर्ष केसरी, पवन कुमार जैन, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

स्पोर्ट्स

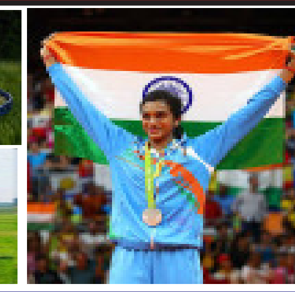

पाकिस्तान के राष्ट्रीय चयनकर्ता पद से पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ ने दिया इस्तीफा

महिला टी20 विश्व कप आज से, 10 टीमों में रहेगी विजेता बनने की होड़, भारत खिताब जीतने का प्रबल दावेदार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय टीम सिर्फ एक बार 2020 में टी-20 विश्व कप के फाइनल में पहुंची है, जहां उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। दुबई और शारजाह में विश्व कप के मैच होने के कारण भारत को इस बार विश्व कप में प्रबल दावेदार माना जा रहा है। यहां की पिचें स्पिनरों की मददगार हैं और भारत के पास दुनिया का श्रेष्ठ स्पिनर आक्रमण है। महिला टी-20 विश्व कप का रोमांच सिर चढ़कर बोलने को तैयार है। देखने वाली बात यह होगी कि यूएई में बृहस्पतिवार से शुरू हो रहे इस विश्व कप को नया विजेता मिलेगा या फिर पिछले तीन बार से विजेता ऑस्ट्रेलिया का दबदबा जारी रहेगा। अभी तक हुए कुल आठ टी20 विश्व कप में छह बार ऑस्ट्रेलिया और एक-एक बार इंग्लैंड, वेस्टइंडीज ही विजेता बने हैं। भारत समेत अन्य कोई देश अब तक टी-20 चैंपियन नहीं बना है। हालांकि इस बार ऑस्ट्रेलिया की राह आसान नहीं मानी जा रही है। उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती भारतीय टीम से निपटना होगी।दोनों अभ्यास मुकाबले आसानी से जीतकर हरमनप्रीत कौर की टीम ने इस विश्व कप के लिए अपना दावा मजबूती से रख दिया है। भारतीय टीम सिर्फ एक बार 2020 में टी-20 विश्व कप के फाइनल में पहुंची है, जहां उसे ऑस्ट्रेलिया से ही हार का सामना करना पड़ा था। दुबई और शारजाह में विश्व कप के मैच होने के कारण भारत को इस बार विश्व कप में प्रबल दावेदार माना जा रहा है। यहां की पिचें स्पिनरों की मददगार हैं और भारत के पास दुनिया का श्रेष्ठ स्पिनर आक्रमण है।यह टूर्नामेंट बांग्लादेश में होना था, लेकिन वहां के घरेलू हालात के कारण आईसीसी ने इसे अंतिम क्षणों में यूएई में कराने का फैसला लिया। हाल के दिनों में किसी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को सबसे ज्यादा परेशान किया है तो वह भारत है। हालांकि हरमनप्रीत कौर की टीम को बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों और 2020 के विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार मिली, लेकिन इस बार स्पिनरों की मदद करने वाली पिचों के चलते भारत ऑस्ट्रेलिया को परेशान कर सकता है। भारतीय टीम के पास अब अनुभव की कमी नहीं है। हरमनप्रीत कौर विश्व कप में 35, स्मृति मंधाना 21, दीप्ति शर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स 15-15 टी-20 विश्व कप मैच खेल चुकी हैं। इनके अलावा विस्फोटक रिचा घोष, शैफाली वर्मा को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।भारतीय टीम का नकारात्मक पक्ष, उसका हाल के समय में ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेलना है। टी-20 एशिया कप के फाइनल में भी उसे श्रीलंका के हाथों आठ विकेट से हार मिली थी। हरमनप्रीत कौर के लिए यह टूर्नामेंट बेहद महत्वपूर्ण है। अगर यहां वह टीम को विजेता नहीं बना पाती हैं तो उनकी कप्तानी भी खतरे में पड़ सकती है। वह 2018 टी-20 विश्व कप से टीम की कप्तानी करती आ रही हैं। पिछले तीन टी-20 विश्व कप में भारतीय टीम एक बार फाइनल में और दो बार सेमीफाइनल में पहुंची है। इस विश्व कप में भारत और ऑस्ट्रेलिया एक ही ग्रुप ए में हैं। ऑस्ट्रेलिया ऐसी टीम होगी, जिसे हराना किसी भी टीम के लिए चुनौती होगा। एलीसा हीली की कप्तानी में खेल रही ऑस्ट्रेलिया के पास एलिसे पैरी, ऐश्ले गार्डनर, ग्रेस हैरिस जैसी स्तरीय ऑलराउंडर हैं। उनके पास तायला व्लेमिंक और डॉर्सी ब्राउन जैसी तेज गेंदबाज भी हैं। ग्रुप ए में मजबूत टीम हैं। श्रीलंका, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान भी किसी को हराने का दम रखती हैं। दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए प्रवेश करेंगी। ग्रुप बी में इंग्लैंड को मजबूत माना जा रहा है। उनके पास नेट शिवर ब्रंट जैसी हरफनमौला और सोफी एक्लेस्टन, चार्ली डीन, साराह ग्लेन जैसी स्पिनर भी हैं। इंग्लैंड एशेज में ऑस्ट्रेलिया को हराकर उत्साहित भी है। स्मृति मंधाना ने कहा, 'विश्व कप में हर मैच महत्वपूर्ण है, इसके लिए आपको अपना सौ प्रतिशत देना होगा। न्यूजीलैंड और श्रीलंका मजबूत टीमें हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ऐसी टीम है, जिसके खिलाफ गलती करने का जोखिम नहीं उठाया जा सकता है। उन पर विजय पाने के लिए आपको उस दिन अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। ऑस्ट्रेलिया का सामना करते समय हमेशा जोश बना रहता है, क्योंकि यह एक बहुत अच्छी टीम है और उन्हें हराना बड़ी चुनौती है। भारत-पाकिस्तान मैच में भावनाएं कुछ ज्यादा हावी होंगी।' इस विश्व कप में भारत और ऑस्ट्रेलिया एक ही ग्रुप ए में हैं। ऑस्ट्रेलिया ऐसी टीम होगी, जिसे हराना किसी भी टीम के लिए चुनौती होगा। एलीसा हीली की कप्तानी में खेल रही ऑस्ट्रेलिया के पास एलिसे पैरी, ऐश्ले गार्डनर, ग्रेस हैरिस जैसी स्तरीय ऑलराउंडर हैं। उनके पास तायला व्लेमिंक और डॉर्सी ब्राउन जैसी तेज गेंदबाज भी हैं। ग्रुप ए में मजबूत टीम हैं। श्रीलंका, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान भी किसी को हराने का दम रखती हैं। दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए प्रवेश करेंगी। ग्रुप बी में इंग्लैंड को मजबूत माना जा रहा है। उनके पास नेट शिवर ब्रंट जैसी हरफनमौला और सोफी एक्लेस्टन, चार्ली डीन, साराह ग्लेन जैसी स्पिनर भी हैं। इंग्लैंड एशेज में ऑस्ट्रेलिया को हराकर उत्साहित भी है।

धोनी ने स्क्रीन पर मुक्का मारा था आरसीबी से हार के बाद माही को लेकर हरभजन का खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आईपीएल 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम प्लेऑफ में पहुंचने की सबसे प्रबल दावेदार मानी जा रही थी। हालांकि, फिर चमत्कार हुआ और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और उनके बीच जंग एक वर्चुअल नॉकआउट मैच में वापस जाते समय एक स्क्रीन पर मुक्का मारा। उन्होंने कहा, 'आरसीबी जश्न मना रहा था और जिस तरह से उन्होंने जीत दर्ज की वह जश्न मनाने के हकदार थे। मैं ऊपर से पूरा दृश्य देख रहा था क्योंकि मैं वहां मौजूद था। आरसीबी जश्न मना रही थी और

बन गया। हारने वाली टीम का सफर वहीं खत्म होता, जबकि जीतने वाली टीम प्लेऑफ में पहुंच जाती। ऐसे में विराट कोहली की आरसीबी ने महेंद्र सिंह धोनी की सीएसके को हरा दिया। इस हार के बाद विपक्षी टीम से हाथ मिलाने का इंतजार कर रहे धोनी नाखुश दिखे थे और बिना हाथ मिलाए ही पवेलियन लौट गए थे। इस दौरान वह गुस्सा में दिखे थे। हालांकि, ड्रेसिंग रूम पहुंचने के बाद क्या हुआ था, यह किसी को नहीं पता। अब हरभजन सिंह ने उस मैच के बाद के दृश्यों से पर्दा उठाया है।बेंगलुरु में उस मैच के दौरान कमेंट्री कर रहे हरभजन ने अब इस घटना के बारे में बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने खुलासा किया कि धोनी ने उस दिन अपना आपा खो दिया और ड्रेसिंग रूम सीएसके हाथ मिलाने के लिए लाइन में खड़ी थी, आरसीबी को सीएसके तक पहुंचने में थोड़ी देर हो गई थी। जब तक टीम आरसीबी ने अपना जश्न खत्म किया, (धोनी) अंदर गए और उन्होंने ड्रेसिंग रूम के बाहर एक स्क्रीन को पंच किया। मैं ऊपर से देख रहा था, लेकिन यह ठीक है कि हर खिलाड़ी की अपनी भावनाएं होती हैं, ऐसा होता है। हरभजन ने धोनी के आईपीएल भविष्य के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'उस मैच के बाद उनमें धैर्य नहीं दिखा था। शायद इसलिए कि ट्रॉफी के साथ संन्यास लेने का उनका सपना उस दिन उनकी आंखों के सामने चकनाचूर हो गया था। क्योंकि ट्रॉफी जीतने के बाद धोनी 2023 में संन्यास ले सकते थे। लेकिन यह एमएस धोनी का फैसला है।

भारतीय अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को दी मात, निखिल कुमार का अर्धशतक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्लेयर ऑफ द मैच निखिल को समर्थ नगराज (34 गेंद में 19 रन) का साथ मिला और दोनों ने आठवें विकेट के लिए मैच जिताने वाली 47 रन की साझेदारी की।भारतीय अंडर-19 टीम ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बनाने में सफल रही और निखिल कुमार के नाबाद आउट हो गए। ऑफ स्पिनर थॉमस ब्राउन को नई गेंद सौंपने का ऑस्ट्रेलिया का फैसला सही साबित हुआ जिन्होंने सूर्यवंशी को विकेट के पीछे साइमन ब्राउन के हाथों लपकवाया। इसके बाद एडेन ओ कोनोर ने विहान मल्होत्रा का रिटर्न कैच लपका। भारत का स्कोर इस समय दो विकेट पर 25 रन

अर्धशतक की मदद से पहले अनाधिकृत टेस्ट के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम को दो विकेट से हराया। सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे निखिल ने 71 गेंद में नाबाद 55 रन बनाए जिसकी मदद से भारत ने आखिरी घंटे में जीत दर्ज की। इससे पहले लेग स्पिनर मोहम्मद इनान ने 79 रन देकर छह विकेट चटकाए जिससे ऑस्ट्रेलिया अपनी दूसरी पारी में 214 रन ही बना सका। ऑस्ट्रेलिया ने चार विकेट पर 110 रन से आगे खेलना शुरू किया था। जीत के लिए 212 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को पहला झटका जल्दी ही लगा जब पहली पारी में शतक लगाने वाले वैभव सूर्यवंशी दूसरे ओवर में एक रन बनाकर था।नित्य पंड्या (86 गेंद में 51) और केपी कार्तिकेय (52 गेंद में 36) ने इसके बाद 71 रन की साझेदारी की। दोनों को हालांकि लेग स्पिनर विश्व रामकुमार ने पवेलियन भेजा जब भारत का स्कोर चार विकेट पर 113 रन था। कोनोर ने इसके बाद सोहम पटवर्धन को भी रवाना कर दिया। पांच विकेट गिरने के बाद कुमार और विकेटकीपर अभिमन्यु कुंडू (52 गेंद में 23 रन) ने स्कोर 150 के पार पहुंचाया। कोनोर ने कुंडू को विकेट के पीछे लपकवाया जबकि रामकुमार ने इनान को बोल्ड कर दिया। प्लेयर ऑफ द मैच निखिल को समर्थ नगराज (34 गेंद में 19 रन) का साथ मिला और दोनों ने आठवें विकेट के लिए मैच जिताने वाली 47 रन की साझेदारी की।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बाबर आजम का किया समर्थन, क्या तीनों प्रारूप में होंगे अलग-अलग कप्तान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बाबर आजम के कप्तानी छोड़ने के बाद पीसीबी ने एक बयान जारी किया जिसमें उन्होंने उनका इस्तीफा स्वीकार करने की जानकारी दी। पीसीबी ने बाबर के पेशवर रवैये और पाकिस्तान क्रिकेट के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की भी सराहना की। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बताया है कि उन्होंने स्टार बल्लेबाज बाबर आजम का समर्थन किया है। बाबर ने सोशल मीडिया पर लंबा पोस्ट लिखकर कप्तानी छोड़ने का एलान किया था और बताया था कि उन्होंने इस बारे में पीसीबी को सितंबर में ही बता दिया था। वहीं, ऐसी खबरें भी सामने आ रही है कि व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर और सीमित ओवरों के कप्तान पर बढ़ते दबाव के मद्देनजर पाकिस्तान में तीनों प्रारूपों के लिए अलग-अलग क्रिकेट कप्तानों की नियुक्ति की जा सकती है। बाबर आजम के कप्तानी छोड़ने के बाद पीसीबी ने

एक बयान जारी किया जिसमें उन्होंने उनका इस्तीफा स्वीकार करने की जानकारी दी। पीसीबी ने बाबर के पेशवर रवैये और पाकिस्तान क्रिकेट के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की भी सराहना की। पीसीबी ने बयान में कहा, पीसीबी ने सफेद गेंद के कप्तान के रूप में बाबर आजम का समर्थन किया था, लेकिन पद छोड़ने का उनका निर्णय एक खिलाड़ी के रूप में अधिक प्रभाव डालने पर ध्यान केंद्रित करने की उनकी इच्छा को दर्शाता है। यह निर्णय उनके पाकिस्तान क्रिकेट के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उनका मानना है कि अपनी बल्लेबाजी के प्रति खुद को पूरी तरह समर्पित करने से वह छोटे प्रारूपों में टीम की सफलता में अधिक निर्णायक भूमिका निभा सकेंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड बाबर आजम को वनडे टीम की कप्तानी देने वाला था लेकिन उन्होंने अपनी बल्लेबाजी पर फोकस करने के लिए कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। करीबी सूत्रों का मानना है कि सीमित ओवरों के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन या चयन समिति के लिए अगला कप्तान चुनना आसान नहीं होगा। सूत्र ने कहा, मोहम्मद रिजवान सीमित ओवरों के कप्तान हो सकते हैं क्योंकि बाबर के अलावा वही अकेले खिलाड़ी है जिनकी तीनों प्रारूपों की टीम में जगह पक्की है। लेकिन टीम के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर को देखते हुए रिजवान का कार्यभार भी चिंता का सबब होगा।सूत्र ने कहा कि ऐसी संभावना है कि पीसीबी वनडे और टी20 के लिए अलग कप्तान और टेस्ट के लिए अलग कप्तान चुने। सूत्र ने कहा कि कर्स्टन पीसीबी को बता चुके हैं कि बाबर का आत्मविश्वास और फॉर्म जाने के बाद उन्हें नहीं लगता कि कोई दूसरा खिलाड़ी दो प्रारूपों में कप्तानी का दबाव झेल सकेगा।

न तो बीसीसीआई और न ही मैंने कभी कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर होने की अफवाहों पर भड़के शमी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मोहम्मद शमी ने बुधवार को एक पोस्ट में उन रिपोर्टों का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि उनका भारतीय क्रिकेट टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेलना संदिग्ध है। शमी टखने की चोट के कारण एक्शन से बाहर हैं। वनडे विश्व कप 2023 में यादगार प्रदर्शन के बाद शमी की चोट की सर्जरी हुई और तब से वह इससे उबर रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि यह स्टार तेज गेंदबाज इस साल नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए राष्ट्रीय टीम में वापसी करेगा। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट में बीसीसीआई के एक सूत्र के हवाले से कहा गया था, 'शमी ने गेंदबाजी फिर से शुरू कर दी है और वह जल्द ही प्रोफेशनल क्रिकेट में वापसी करने का प्लान बना रहे थे, लेकिन उनके घुटने की चोट में फिर से परेशानी आ गई है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम चोट का आकलन कर रही है, लेकिन इसमें काफी समय लग सकता है। यह एनसीए की मेडिकल टीम के लिए झटका है। वे एक साल से अधिक समय से उन पर काम कर रहे हैं। उनके पास सबसे अच्छा कार्यभार प्रबंधन प्रणाली है। मेडिकल टीम उन्हें जल्द ही ठीक करने की पूरी कोशिश कर रही है।' हालांकि, शमी ने अब इन रिपोर्टों का खंडन किया है। मोहम्मद शमी ने एक्स पर लिखा, 'इस तरह की निराधार अफवाहें क्यों? मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं और उबरने के लिए अपने स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा हूं। न तो बीसीसीआई और न ही मैंने कहा है कि मैं बॉर्डर गावस्कर सीरीज से बाहर हूं। मैं लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे अनौपचारिक स्रोतों से ऐसी खबरों पर ध्यान देना बंद करें। कृपया बंद करें और इस तरह की नकली और झूठी खबरें न फैलाएं, खा स क र मेरे बयान के बिना।'इससे पहले सितंबर में शमी ने खुलासा किया था कि वह जल्द से जल्द टीम इंडिया के लिए मैदान पर वापसी करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं।

क्रिकेटर अजहरुद्दीन को ईडी का समन, मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में आज पूछताछ के लिए बुलाया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज मोहम्मद अजहरुद्दीन को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में ईडी ने समन किया है। उन पर 20 करोड़ रुपये के फंड के दुरुपयोग का आरोप है। यह मामला हैदराबादा क्रिकेट एसोसिएशन से जुड़ा हुआ है। अजहरुद्दीन को हैदराबाद में प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश आज ही पेश होने के लिए कहा गया है।

राशि फल

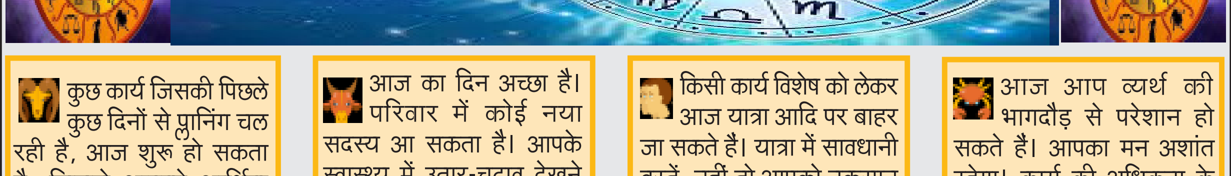

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

सरफराज खान के दोहरे शतक से शेष भारत के खिलाफ मुंबई का विशाल स्कोर, अजिंक्य रहाणे शतक से चूके

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक मुंबई ने नौ विकेट पर 536 रन बना लिए हैं। स्टंप के समय सरफराज 276 गेंदों पर 25 चौकों और चार छक्कों की मदद से 221 रन और जुनैद खान खाता खोले बिना क्रीज पर मौजूद थे। स्टार बल्लेबाज सरफराज खान ने शेष भारत के खिलाफ ईरानी कप मुकाबले में शानदार दोहरा शतक जड़ा जिससे मुंबई ने पहली पारी में विशाल स्कोर खड़ा कर लिया है। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक मुंबई ने नौ विकेट पर 536 रन बना लिए हैं। स्टंप के समय सरफराज 276 गेंदों पर 25 चौकों और चार छक्कों की मदद से 221 रन और जुनैद खान खाता खोले बिना क्रीज पर मौजूद थे। इससे पहले, मुंबई ने चार विकेट पर 237 रन से आगे खेलना शुरू किया। कप्तान अजिंक्य रहाणे शतक की ओर बढ़ रहे थे और सरफराज उनका साथ बखूबी निभा रहे थे। दोनों बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी कर पांचवें विकेट के लिए 131 रनों की साझेदारी कर ली थी, लेकिन यश दयाल ने रहाणे को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। रहाणे इस तरह शतक लगाने से चूक गए और 234 गेंदों पर सात चौकों और एक छक्के की मदद से 97 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मुकेश कुमार ने शम्स मुलानी (5) को बोल्ड कर मुंबई को छठा झटका दिया। सरफराज को बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही में संपन्न हुई दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया था, लेकिन उन्हें दोनों ही मैचों में प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिली थी। सरफराज की जगह टीम प्रबंधन ने केएल राहुल को मध्य क्रम के बल्लेबाज के तौर पर मौका दिया था। सरफराज ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू किया था और प्रभावित करने में सफल रहे थे। हालांकि, अब भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है और सरफराज ने इससे पहले ही ईरानी कप में दम दिखाकर अपना दावा मजबूत कर लिया है। रहाणे के आउट होने के बाद भी सरफराज दूसरे छोर पर टिके रहे और शेष भारत के गेंदबाजों को जमकर परेशान किया। इस दौरान उनका साथ तनुष कोटियान ने निभाया। तनुष और सरफराज के बीच सातवें विकेट के लिए 183 रनों की साझेदारी हुई जिसने मुंबई को विशाल स्कोर की ओर अग्रसर किया। सरफराज और कोटियान ने लगातार रन बनाए। हालांकि, प्रसिद्ध कृष्णा ने कोटियान को बोल्ड कर इस साझेदारी का अंत किया। कोटियान 124 गेंदों पर छह चौकों की मदद से 64 रन बनाकर आउट हुए। फिर प्रसिद्ध ने अगली ही गेंद पर मोहिद अवस्थी को खाता खोले बिना पवेलियन भेजा। सरफराज हालांकि शेष भारत के गेंदबाजों के खिलाफ रन बनाते रहे और उन्हें शार्दुल ठाकुर का भी अच्छा साथ मिला। दिन का खेल समाप्त होने से ठीक पहले सारांश जैन ने शार्दुल को बोल्ड कर मुंबई को नौवां झटका दिया। शार्दुल 59 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुए।

सम्पादकीय

महंगी पड़ती राजनीतिक क्षुद्रता, आवश्यक सुधारों पर देना होगा अधिक ध्यान

राजनीति का काम है लोगों को दिशा देना और उन्हें जागरूक करना, लेकिन पिछले कुछ समय से अपने देश में इसके ठीक उलट हो रहा है। राजनीति लोगों को ऐसे विषयों पर गुमराह करने का जरिया बनी हुई है, जिनका कोई आधार ही नहीं बनता। इन दिनों पक्ष-विपक्ष के नेता देश की जनता को यह समझाने में लगे हुए हैं कि भारत का संविधान खतरे में है और प्रतिपक्षी दल आरक्षण खत्म करने की भी तैयारी में हैं। एक तरह से लोगों को यह यकीन दिलाया जा रहा है कि कौआ उनका कान ले गया है और उन्हें बिना यह देखे-समझे कौए के पीछे दौड़ना चाहिए कि उनका कान सलामत है या नहीं? संविधान और आरक्षण के खतरे में होने का शिगूफा लोकसभा चुनाव के समय छेड़ा गया था। बहुत से लोग इस शिगूफे का शिकार भी हुए। पता नहीं अब उन्हें भान हुआ या नहीं कि उनके सामने भय का भूत खड़ा किया गया था, लेकिन राजनीतिक दलों की लोगों को बहकाने की राजनीति अब भी जारी है। लोकसभा चुनाव के समय संविधान और आरक्षण के लिए खतरा पैदा होने का हौवा कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने खड़ा किया था। इस दुष्प्रचार के चलते राजनीतिक नुकसान उठाने के बाद से भाजपा भी यह कहने में लगी हुई कि संविधान और आरक्षण को असली खतरा कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों से है। विडंबना यह है कि इस झूठे प्रचार पर अंध विरोधी और अंध समर्थक किस्म के कुछ लोग यकीन भी कर रहे हैं, जबकि सच यह है कि न तो संविधान खत्म किया जा सकता है और न ही आरक्षण समाप्त किया जा सकता है। कम से कम वर्तमान परिस्थितियों में तो यह संभव नहीं और किसी की ओर से ऐसी कोई कोशिश करने का मतलब है जानबूझकर राजनीतिक आत्मघात करना। देश का कोई भी दल इतना नादान नहीं हो सकता कि वह संविधान खत्म करने या फिर आरक्षण को समाप्त करने का सोचे और फिर भी यह समझे कि वह राजनीतिक रूप से प्रासंगिक बना रह सकता है। निःसंदेह संविधान में संशोधन किया जा सकता है और देश, काल एवं परिस्थितियों को देखते हुए किया भी जाना चाहिए। ऐसा किया भी गया है और चूंकि कांग्रेस लंबे समय तक सत्ता में रही है, इसलिए उसने ही सबसे अधिक संविधान संशोधन किए हैं। आपातकाल के जरिये संविधान को धता बताने का कलंक भी उसके माथे पर है, लेकिन दुष्प्रचार की राजनीति के जरिये वही यह प्रचारित कर रही है कि भाजपा संविधान के लिए खतरा बन गई है। संविधान के किसी प्रविधान की समीक्षा की मांग करने में कोई हर्ज नहीं, लेकिन आज जैसा राजनीतिक माहौल है, उसमें यदि कोई ऐसी मांग करे तो उसके विरोधी तत्काल उसे संविधान विरोधी करार देंगे। इसी तरह यदि किसी ने भूले से भी कह दिया कि आरक्षण की समीक्षा होनी चाहिए, ताकि वह अधिकाधिक पात्र लोगों को मिल सके तो उसे आरक्षण विरोधी करार देने में क्षण भर की भी देर नहीं की जाएगी। आखिर यह क्यों नहीं देखा जाना चाहिए कि आरक्षण का लाभ पात्र लोगों को सही तरह से कैसे मिले यह देखना दुखद है कि एससी-एसटी आरक्षण के उपवर्गीकरण की उचित मांग का जो भी समर्थन कर रहे हैं, उन्हें संविधान और सामाजिक न्याय विरोधी करार देने में संकोच नहीं किया जा रहा है। आखिर यह कैसा सामाजिक न्याय है कि एससी-एसटी समाज की जिन सबसे अधिक पिछड़ी जातियों को आरक्षण का लाभ देना सुनिश्चित किया जाना सभी दलों का साझा ध्येय होना चाहिए, उन्हें उससे वंचित करने को ही संविधानसम्मत बताया जा रहा है। वास्तव में यह सामाजिक अन्याय की ही मिसाल है। यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति इसीलिए बनी है, क्योंकि आरक्षण पर क्षुद्र राजनीति की जा रही है। जैसे आरक्षण के समक्ष नकली खतरा खड़ा कर दिया गया है, उसी तरह संविधान के समक्ष भी। आज पक्ष-विपक्ष में से यदि कोई संविधान के किसी प्रविधान में संशोधन की न्यायसंगत मांग भी करे तो उसे फौरन ही संविधान का शत्रु करार दिया जाएगा। इतना ही नहीं, ऐसा करने वाले यह हल्ला मचाते हुए भीमराव आंबेडकर की फोटो के साथ सड़कों पर उतर आएंगे कि बाबा साहेब के बनाए संविधान को खत्म करने की साजिश रची जा रही है। 2014 में जब मोदी सरकार ने सत्ता में आने पर जजों की नियुक्ति की मौजूदा गैर-संवैधानिक व्यवस्था को खत्म कर न्यायिक नियुक्ति आयोग बनाने की पहल की थी तो सभी विपक्षी दलों ने उसका समर्थन किया था। संबंधित संविधान संशोधन विधेयक पर संसद और विधानसभाओं ने खुशी-खुशी मुहर भी लगा दी थी।

संयुक्त राष्ट्र में सुधार का इंतजार अक्षम हो चुकी हैं संस्थाएं

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने भविष्य शिखर सम्मेलन के उद्घाटन भाषण में कहा, 'दुनिया एक बवंडर में फंसी है। हम ऐसी अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जो वैश्विक समाधान चाहती हैं।' इससे पहले उन्होंने कहा था, 'सुरक्षा परिषद जैसी संस्थाएं आज पूरी तरह अप्रासंगिक, अयोग्य और अक्षम हो चुकी हैं। इनमें सुधार किए बिना वैश्विक चुनौतियों से नहीं निपटा जा सकता।' अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा, 'हताश होने के बजाय हमें एकजुट होकर चुनौतियों का सामना करना चाहिए। इसके लिए संयुक्त राष्ट्र को और सक्षम, प्रभावी और समावेशी बनाने की जरूरत है। इसीलिए हम सुरक्षा परिषद का सुधार और विस्तार करने का समर्थन करते हैं।' वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक संस्थाओं में सुधार के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा था, 'सुधार प्रासंगिक बने रहने की कुंजी हैं। मानव की सफलता उसकी संगठित शक्ति में है, जंग के मैदान में नहीं।' इन वक्तव्यों से संकेत मिलता है कि सुरक्षा परिषद के सुधार और विस्तार के लिए आम सहमति बन चुकी है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामफोसा ने भी सुरक्षा परिषद में सुधार करने और अफ्रीका को स्थायी सीट देने की मांग रखी। महासचिव गुटेरस ने माना है कि अफ्रीका को सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने पर सहमति हो चुकी है, पर सुधार और विस्तार की प्रक्रिया क्या हो और इसकी शुरुआत कब हो, इसे लेकर सहमति नहीं बन पा रही। लैटिन अमेरिका से ब्राजील को स्थायी सदस्यता देने पर भी किसी को आपत्ति नहीं है। मसला विश्व की दो तिहाई आबादी और लगभग आधी अर्थव्यवस्था वाले एशिया का है, जिसका प्रतिनिधित्व अकेले चीन के पास है। यूरोप के पास रूस, फ्रांस और ब्रिटेन की तीन सीटें हैं। इसलिए कुछ देशों का सुझाव है कि इन तीन देशों में से कम से कम एक को अपना वीटो अधिकार और सीट छोड़ देनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशकों में विश्व के सामरिक और आर्थिक समीकरण पूरी तरह बदल जाने के बावजूद वीटो अधिकार वाले पांचों स्थायी सदस्यों में से कोई अपने वीटो अधिकार और स्थायी सीट को छोड़ने को तैयार नहीं है। स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर आम सहमति है, परंतु चीन को वीटो अधिकार वाले सदस्यों की संख्या बढ़ाना मंजूर नहीं, खासकर एशिया से जहां स्थायी सदस्यता के दोनों दावेदारों, भारत और जापान पर वह अलग-अलग कारणों से संदेह करता है। यह समय की विडंबना है कि भारत ने जिस चीन को मान्यता देने में पहल की थी और सुरक्षा परिषद में उसकी स्थायी सीट को सिद्धांत के तौर पर लेने से मना कर दिया था, आज वही चीन भारत की स्थायी सदस्यता के मार्ग में आड़े आ रहा है। चीन के अलावा भारत के दूसरे पड़ोसी देश भी चुनाव प्रक्रिया, न्याय प्रक्रिया, संवैधानिक संस्थाओं और मानवाधिकारों पर उचित-अनुचित सवाल उठाकर स्थायी सदस्यता की राह को कठिन बनाते रहते हैं। अमेरिका भी भारत की खेमेबाजी से परे अवसरानुकूल कूटनीति को लेकर आशंकित रहा है। इसका नवीनतम उदाहरण भारत का रूस के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंधों में शामिल न होना और यूक्रेन पर रूसी हमले के निंदा प्रस्तावों से दूर रहना है। इसलिए वह भारत को वीटो अधिकार वाली स्थायी सदस्यता देने का समर्थन कर ही देगा, यह सुनिश्चित नहीं। वीटो अधिकार के बिना सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता से अनुचित निर्णयों पर तमाशबीन बने रहने की बेचारगी के सिवा कुछ हासिल नहीं होगा। इसलिए भारत की दिलचस्पी ऐसी सदस्यता में नहीं है। या तो सभी अपने-अपने वीटो अधिकारों का परित्याग करें, जिसकी संभावना कम है या फिर नए सदस्यों को भी वीटो अधिकारों के साथ शामिल किया जाए, ताकि वे यूक्रेन पर रूसी हमले जैसे नियमों को ताक पर रखकर किए जाने वाले संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उल्लंघनों को यदि न भी रोक सकें, तो भी कम से कम संयुक्त राष्ट्र के नाम पर इराक पर किए गए हमले जैसी विवादास्पद कार्रवाइयों को तो रोक सकें। यूक्रेन की अखंडता और संप्रभुता और फलस्तीनियों के अस्तित्व की रक्षा करने में संयुक्त राष्ट्र की बेचारगी दिखाती है कि उसकी संस्थाएं कितनी अयोग्य और अक्षम हो चुकी हैं। वैश्विक व्यवस्था को बहाल करने के लिए नाम के सुधारों की नहीं, बल्कि कारगर सुधारों की जरूरत है, जो मनमानी को रोक सकें। आतंकवाद की सर्वमान्य परिभाषा तय करने और उसकी रोकथाम के लिए वैश्विक रणनीति बनाने की भी जरूरत है, ताकि हमास, लश्कर और अल कायदा जैसे आतंकी संगठनों की रोकथाम की जा सके। साइबर, समुद्र और अंतरिक्ष में व्यवस्था कायम रखना भी बड़ी वैश्विक चुनौती है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में इन तीनों का जिक्र किया, क्योंकि इनमें असुरक्षा रहने से संचार से लेकर व्यापार तक हर पहलू प्रभावित होता है। इस समय विश्व के समक्ष सबसे बड़ी चुनौतियां हैं कृत्रिम मेधा और जलवायु परिवर्तन। कृत्रिम मेधा से प्रशिक्षित हो रहीं मशीनों का प्रभाव जीवन के हर क्षेत्र में पड़ने वाला है। इनका सही प्रयोग कायाकल्प कर सकता है तो दुरुपयोग के कल्पनातीत दुष्परिणाम भी हो सकते हैं। साइबर, संचार और जैविक आतंक के क्षेत्रों में इस तकनीक के दुरुपयोग की घातकता परमाणु हथियारों से कम नहीं है। इसलिए

इसके दुरुपयोग की रोकथाम के लिए एक वैश्विक रणनीति की जरूरत है। जलवायु परिवर्तन की रोकथाम पर तो हमारा अस्तित्व ही निर्भर करता है। इसलिए उस पर ऐसी बहुपक्षीय और बहुकोणीय रणनीति बनाने की जरूरत है, जो कारगर होने के साथ-साथ व्यावहारिक और न्यायसंगत भी हो। भारत इन वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए वैश्विक व्यवस्था में सुधारों की पैरवी और अगुआई तभी कर सकता है, जब वह अपने यहां भी समयोचित सुधारों में आगे रहने की मिसाल कायम करे। आर्थिक सुधारों की गाड़ी मंथर गति से अटक-अटक कर चल रही है। भूमि, श्रम और न्यायिक सुधारों की बात ही शुरू नहीं हुई है। कृषि सुधारों से पीछे हटना पड़ा है। एक देश एक चुनाव और समान नागरिक संहिता जैसे सुधार क्षेत्रीयता और मजहबी राजनीति में उलझ गए हैं। ऐसे में आर्थिक और सामाजिक विकास की गाड़ी कैसे गति पकड़ेगी? कौटिल्य ने ढाई हजार साल पहले कहा था कि देश की असली शक्ति उसकी अर्थशक्ति में होती है। सुधारों के बिना यह शक्ति हासिल नहीं हो सकती और इसके बिना विश्व मंच पर हमारी वैश्विक सुधारों की बात ध्यान से नहीं सुनी जा सकती।

हिंदू मंदिरों के संचालन का सवाल, देश के कई मंदिरों में ब्राह्मण पुरोहित नहीं

तिरुपति बालाजी मंदिर में पशुओं के चर्बीयुक्त घी से बने प्रसाद पर विवाद के बीच यह मांग उठ रही है कि मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त किया जाए। इस मांग के विरोध में यह कहा जा रहा है कि अगर मंदिरों से सरकारी नियंत्रण हट गया तो क्या वे फिर से ब्राह्मण वर्चस्व में नहीं चले जाएंगे इसी के साथ यह भी कहा जा रहा है कि ये ब्राह्मण ही थे, जिन्होंने सारे मंदिरों पर कब्जा कर लिया और उनमें दलितों और पिछड़ों की भागीदारी सीमित कर दी। यह सही है कि भारत में अधिकांश मंदिरों के पुजारी जन्मना ब्राह्मण होते रहे। शायद आज भी अधिकांश मंदिरों में वही हैं, लेकिन ऐसा नहीं है कि शत-प्रतिशत मंदिरों के पुजारी ब्राह्मण होते हैं। अनुसूचित जाति और जनजाति के पुरोहित उनकी अपनी जाति के होते हैं और उनके मंदिरों के पुजारी भी, खासकर दलितों के यहां। जनजातियों का सिस्टम अलग है। हिंदू व्यवस्था में ब्राह्मण उन्हीं के पुरोहित थे, जिनसे उनका 'पानी पीने का संबंध' था यानी अभी की अधिकांश कथित सवर्ण और पिछड़ी जातियों के यहां, जो सकल आबादी की करीब 50 प्रतिशत हैं। सवाल है कि क्या दलितों के यहां पूजा न करवाने का फैसला अकेले ब्राह्मणों का था? क्या देश के दो-तीन प्रतिशत ब्राह्मण और उसमें भी 0.01 प्रतिशत पुरोहित ऐसा अपने मन से थोप सकते थे? स्पष्ट है कि इसमें सवर्ण और पिछड़ा सहित पूरा समाज शामिल था। 2011 की जनगणना में देश में करीब 26 लाख धार्मिक संस्थान/ मंदिर-मस्जिद-चर्च इत्यादि होने की बात कही गई। इसमें करीब 19 लाख हिंदू संस्थान थे। यह मान लें कि पिछले सौ साल में अनेक मंदिर सड़कों के किनारे निहित स्वार्थों के लिए भी बने हों तो यह ध्यान रहे कि उन्हें बनवाने वाले ऐसे बहुत सारे लोग थे, जो ब्राह्मण नहीं थे। करीब 15 लाख मंदिर सैकड़ों-हजारों सालों से देश में हैं, वे राजाओं, जमींदारों और सेठों द्वारा बनाए गए और उन्होंने उसमें ब्राह्मण पुरोहित नियुक्त किए। ऐसा परंपरा से हुआ। किसी ब्राह्मण ने कोई मीटिंग या जलसा नहीं किया कि उसे ही पुरोहित बनाया जाए। इन 15 लाख मंदिरों में से लाखों ऐसे मंदिर भी हैं, जो ब्राह्मणों से इतर मठ हैं। आप गोरखपुर मठ का नाम लें या कर्नाटक में लिंगायत/वोक्कालिगा मठों के, इनके स्वामी गैर-ब्राह्मण होते हैं। हाल में जिस 'सेंगोल' नामक राजदंड का प्रधानमंत्री मोदी ने प्रचार किया और जिसकी जड़ें चोल राजवंश तक जाती हैं, उनके मठाधीश गैर-ब्राह्मण हैं। देश में आर्य समाज, कबीर पंथ, ब्रह्म समाज इत्यादि के हजारों मंदिर हैं, जिनमें ब्राह्मण पुरोहित नहीं हैं। शहरों में तो खैर पता ही नहीं चलता कि किस मंदिर में ब्राह्मण या गैर-ब्राह्मण पुरोहित हैं। आधुनिक काल में ऐसे बहुत से संप्रदाय बने हैं-खासकर इस्कान, साईं मंदिर समूह, गायत्री परिवार आदि जिनमें सभी जातियों के पुरोहित हैं। पुजारी और पुरोहित में फर्क करना जरूरी है। पुजारी वह है, जो दैनिक पूजा-अर्चना या भोग लगाता है। पुरोहित वह है, जो खास अंतराल पर पारिवारिक कर्मकांड करता है। सवर्णों या पिछड़ों के बीच कर्मकांड पर तो ब्राह्मणों का वर्चस्व है, लेकिन पुजारी होने पर नहीं। यह फर्क हमें समझना चाहिए। कुछ तो पुरोहित भी गैर-ब्राह्मण हैं। बिहार के सबसे प्रसिद्ध पटना के हनुमान मंदिर में करीब 40 प्रतिशत गैर-ब्राह्मण पुरोहित हैं, जो पूर्व आइपीएस अफसर द्वारा संचालित है। वह भूमिहार हैं। देश के कुछ हिस्सों में 'राज्य' ने मंदिरों में गैर-ब्राह्मण पुरोहितों को नियुक्त करना शुरू किया है। इन मंदिरों पर राज्य का नियंत्रण है। तमिलनाडु इसमें अग्रणी है। तमिलनाडु की ब्राह्मण विरोधी राजनीति के बावजूद मंदिरों में गैर-ब्राह्मण पुजारी ज्यादा नहीं हैं। संभवतः इसका एक कारण यह है कि पुजारी बनने का लाभ कम है और जीवनशैली कठिन है।फिर भी प्रतीकात्मक रूप में इसे समतावाद के तौर पर लिया जा रहा है। यह कहना कि ब्राह्मणों ने एक समूह बनाकर धर्मस्थलों पर कब्जा कर लिया, सत्य से परे है। यह कहना वैसे ही है, जैसे यह प्रचार करना कि मारवाड़ियों ने देश की अर्थव्यवस्था पर कब्जा कर लिया है! यह भी उल्लेखनीय है कि सामान्य मंदिर अलग हैं, मठ अलग हैं और लोकदेवताओं के मंदिर अलग हैं। मठों और लोकदेवताओं के मंदिर पर तो लगभग अधिकांश में गैर-ब्राह्मणों का ही नियंत्रण है।एक अन्य मसला वीआइपी कल्चर से जुड़ा है, जिसमें पैसा देकर वीआइपी दर्शन इत्यादि की व्यवस्था की जाती है। इसका विरोध होना चाहिए। अगर कोई अपने आराध्य का दर्शन करने जा रहा है तो उसे घंटे-दो घंटे लाइन में लगने में मुश्किल नहीं होनी चाहिए। गौरतलब है कि यह वीआइपी कल्चर सरकारी ट्रस्ट नियंत्रित मंदिरों में अधिक है।इसे मंदिरों के राजस्व में बढ़ोतरी का माध्यम बना दिया गया है। अंत में फिर वही सवाल कि क्या मंदिरों में गैर-ब्राह्मण पुजारी होने चाहिए? अवश्य होने चाहिए और सार्वजनिक मंदिरों में तो और भी। हां, पुजारियों को उस मंदिर की मत-परंपरा, वहां के लोकाचार, कर्मकांड, अनुष्ठान का ज्ञान और उनमें थोड़ी बहुत धार्मिक प्रवृत्ति होनी चाहिए।

सेवा भाव पर हावी होता स्वार्थ, जलवायु परिवर्तन की गहराती समस्या

जाने-माने बौद्ध विचारक थिच नहत हान ने जलवायु परिवर्तन की गहराती समस्या पर कहा था कि यदि हम उसी रास्ते पर चलते रहे, जिस पर इस समय चल रहे हैं तो निश्चित ही मनुष्य जाति का विनाश हमारे अनुमानों से पहले ही हो जाएगा। जो लोग जलवायु परिवर्तन की स्थिति को समझते हैं और तथ्यों से परिचित हैं, उन्हें इससे कोई असहमति नहीं सकती है। आश्चर्य तब होता है जब विश्व भर में सत्ता पर काबिज लोग भी वर्तमान रास्ते को बदलने की बात तो लगातार करते हैं, अनेक उपायों की चर्चा भी करते हैं, लेकिन जमीन पर कोई व्यावहारिक बदलाव नहीं हो पाता है। इसका सबसे निकटस्थ उदाहरण है दिल्ली में वायु प्रदूषण की भयावह समस्या। प्रतिवर्ष वही वादे, वही न्यायालय के नाराजगी भरे निर्णय और उत्तरदायी व्यक्तियों द्वारा लगातार अपनी कर्मठता जाहिर करते देखना मात्र तक ही दिल्ली की नियति बन गई है। वैसे यह समस्या सिर्फ दिल्ली की ही नहीं, देशव्यापी है, विश्वव्यापी है। करीब बीस वर्ष पहले एक ऐसी संभावना बनी थी, जिसमें भारत की नई पीढ़ी को पर्यावरण प्रदूषण से निपटने के लिए तैयार किया जा साकता था, मगर वह राजनीति की भेंट चढ़ गया। दरअसल सर्वोच्च न्यायालय ने एनसीईआरटी को दिसंबर 2003 में निर्देश दिया था कि वह पर्यावरण शिक्षा को एक अलग विषय के रूप में पढ़ाए जाने के लिए कक्षा एक से लेकर 12 तक का पाठ्यक्रम बनाए, जिसे संस्था ने मार्च 2004 में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया। न्यायालय ने उसे सभी राज्य सरकारों को भेजा। यह राष्ट्रीय स्तर पर अत्यंत संतोष की स्थिति थी कि सभी राज्य सरकारों ने उस पाठ्यक्रम को स्वीकार किया। साथ ही अपने स्कूल शिक्षा की संरचना में आवश्यक परिवर्तन कर पर्यावरण शिक्षा को एक अलग स्वतंत्र विषय बनाने की बात कही। मई 2004 में केंद्र में नई सरकार आ गई। चूंकि उक्त निर्णय पूर्ववर्ती सरकार के प्रयास का परिणाम था अतः उसने उस निर्णय को लागू नहीं किया। नीति-निर्धारण स्तर पर जब भविष्यदृष्टि की कमी होती है, तब अनेक ऐसे निर्णय लिए जाते हैं, जिनका आधार शैक्षिक या अकादमिक न होकर कहीं न कहीं राजनीतिक विचारधाराओं के सतत संघर्ष में छिपा होता है। कल्पना कीजिए कि यदि 20 वर्ष से पहले पर्यावरण शिक्षा को अनिवार्य और स्वतंत्र विषय बना दिया जाता तो देश के प्रशासन में आज युवाओं की एक ऐसी पीढ़ी कार्यरत होती, जिसके मन मस्तिष्क में पर्यावरण रक्षा के प्रति श्रद्धा पैदा हो चुकी होती। संभव है कि उनमें से कोई एक दिल्ली की समस्या को चुनौती मानकर इसका समाधान करने के लिए जी जान से जुट जाता और सफल होता। इंदौर और सूरत जैसे शहरों में जो सफलताएं स्वच्छता को लेकर मिलीं और सारे देश में इन शहरों की सराहना हुई, उसके पीछे भी कहीं न कहीं एक उत्साहित, अध्ययनशील और भविष्यदृष्टि वाला व्यक्तित्व उपस्थित था। सामान्यजन अब यह समझ चुके हैं कि उत्तरदायी व्यक्ति यदि निष्ठापूर्वक किसी समस्या का समाधान करना चाहे तो रास्ते निकाल सकते हैं और समाधान भी प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए पहली आवश्यकता यह है कि उन्हें अपने परिवार और करियर के बजाय जनसेवा को जीवन का उद्देश्य बनाकर आगे बढ़ना होगा। लोकतंत्र कहता है कि जो चयनित जनप्रतिनिधि संवैधानिक पदों पर नियुक्त होंगे वे जनसेवा के कारण ही वहां पहुंचेंगे और इसके बाद वे पूर्णरूपेण अपना सर्वस्व उसी के लिए समर्पित कर देंगे। यही अपेक्षा तो गांधी, सुभाष चंद्र बोस, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, आचार्य कृपलानी जैसे मनीषियों ने स्वतंत्र भारत में नेतृत्व प्रदान करने वाले जन प्रतिनिधियों से की थी। दुख की बात है कि उनकी अपेक्षाओं को वर्तमान राजनीतिक और दलगत वैचारिक प्रतिबद्धताओं की आधी-अधूरी समझ के अंतर्गत पूरी तरह नकार दिया गया है। हर उस क्षेत्र में जहां जनसाधारण का जीवन प्रभावित होता है, निर्णय ले सकने वालों की स्वार्थपरकता व्यक्ति के लिए कष्टकर स्थितियां ही उत्पन्न करती हैं। जनहित की बड़ी-बड़ी परियोजनाएं इसी कारण अपने लक्ष्य प्राप्त नहीं कर पाती हैं। उदाहरण के रूप में अगर देश के स्वास्थ्य क्षेत्र को ही लें तो अनेक सरकारी योजनाओं की घोषणा होने के बावजूद आज भी सरकारी अस्पतालों की स्थिति सामान्य व्यक्ति के लिए सुविधाजनक नहीं बन पाई है। ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों की हालत और चिंताजनक है। उनमें नियुक्त डाक्टर सप्ताह में एक या दो दिन ही जाते हैं, उनके वरिष्ठ अधिकारी यह सब जानते हैं, मगर पता नहीं क्यों किसी कार्रवाई की आवश्यकता महसूस नहीं करते। अंततः लोग इस स्थिति को अपरिवर्तनीय मानकर स्वीकार कर लेते हैं। वर्ष 2013 में आई न्यायमूर्ति जेएस वर्मा समिति की रिपोर्ट में बताया गया था कि देश में 10 हजार शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान केवल व्यापार कर रहे हैं, प्रशिक्षण की गुणवत्ता में उनकी कोई रुचि नहीं है और वे डिग्री बेच रहे हैं। नई शिक्षा नीति-2020 में भी इस कथन को शामिल किया गया है और शिक्षक प्रशिक्षण में गहन सुधारों की आवश्यकता को स्वीकार किया गया है। शिक्षा नीति में न्यायमूर्ति जेएस वर्मा समिति के शब्दों को दोहराया जाना यह स्पष्ट करता है कि डिग्री बेचने वाले संस्थान इस बीच अपना कार्य करते रहे। राष्ट्रीय स्तर पर व्यवस्थागत निष्क्रियता और अन्यमनस्कता का यह एक सटीक उदाहरण है। देश में ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं है। स्पष्ट है सामान्य जन के जीवन में अपेक्षित परिवर्तन तभी होगा, जब देश का प्रबुद्ध वर्ग अपना उत्तरदायित्व निभाने के लिए आगे आएगा और सरकारी तंत्र ईमानदारी, कर्मठता और सेवा भाव को प्राथमिकता देगा।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

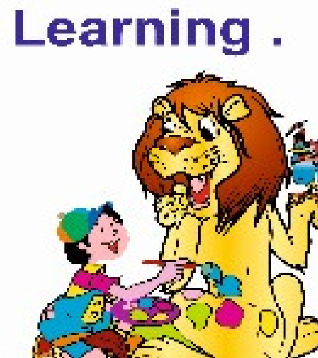

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

गणेश पूजन के साथ ग्यारह दिवसीय लीला मंचन का हुआ श्रीगणेश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा रामलीला समिति द्वारा सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में आयोजित श्रीरामलीला महोत्सव का मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री व क्षेत्रीय सांसद डा. महेश शर्मा एवं प्रणय शंकर गर्ग द्वारा दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया गया।श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव मुन्ना कुमार शर्मा व संस्था के पदाधिकारियों द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर और अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया। श्रीरामलीला मंचन की शुरूआत श्री गणेश वंदना एवं गणेश पूजन के साथ हुई। गणेश वंदना में कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुति पेश कर दर्शकों का मन मोह लिया। प्रथम दृश्य में दिखाया गया कि नारद जी को अहंकार हो जाता हैं और भगवान अपने भक्त के अहंकार का समूल नाश करते हैं। भगवान विष्णु अपनी माया से एक माया नगरी बनाते हैं,जिसमें विश्वमोहनी नाम की राजकुमारी का स्वयंवर होता है। नारद जी उस कन्या पर मोहित होकर उससे विवाह करना चाहते हैं और भगवान से सुन्दर स्वरूप मांगते हैं लेकिन भगवान उनको बंदर का स्वरूप प्रदान करते हैं।जब वह सभा में पहुंचते हैं तो शिवगण उनका मजाक उड़ाते हैं और वह कन्या भगवान विष्णु के गले में वरमाला डाल देती है।उपहास से क्रोधित नारद जी भगवान को श्राप दे देते हैं इधर लंका का राजा रावण राक्षसों के साथ ऋषि मुनियों पर अत्याचार करता हैं। इसी के साथ प्रथम दिवस की रामलीला का समापन भगवान की आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। अध्यक्ष धर्मपाल गोयल ने बताया कि रामलीला के दूसरे दिन 4 अक्टूबर को देवताओं द्वारा विष्णु जी से प्रार्थना, राम जन्म, भगवान शिव जी द्वारा रामलीला के दर्शन, ऋषि विश्वामित्र द्वारा लक्ष्मण का यज्ञ, हवन रक्षा के लिए दशरथ जी से श्रीराम जी को लाना, मारीच, सुबाहु वि तड़का वध, आदि लीलाओं का मंचन किया जायेगा। रामलीला के अवसर पर समिति के कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गर्ग, सह-कोषाध्यक्ष अनिल गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल, राजकुमार गर्ग, चौधरी रविन्द्र सिंह, तरुणराज, पवन गोयल, बजरंग लाल गुप्ता, एस एम गुप्ता, अजीत चाहर, गौरव मेहरोत्रा, आत्माराम अग्रवाल, मुकेश गोयल, मुकेश अग्रवाल, मनोज शर्मा, मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता, गिरिराज बहेडिया, राजेश माथुर, चक्रपाणि गोयल, शांतनु मित्तल, सुधीर पोरवाल, मोतीराम गुप्ता, अर्जुन अरोड़ा, आर के उप्रेती, साहिल चौधरी, कुलदीप गुप्ता, मनीष गोयल सहित श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के सदस्यगण व शहर के सैकड़ों गणमान्य व्यक्ति उपस्तिथ रहे।

जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट में जीएल बजाज मॉडल यूनाइटेड नेशंस के पहले संस्करण का सफल आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा । स्थित जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट में जीएल बजाज मॉडल यूनाइटेड नेशंस के पहले संस्करण

का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली हाई कोर्ट के डिफेन्स करिम्निल लॉयर नरेंद्र सिंह ने भाग लेकर विधि शिक्षा पर प्रकाश डाला और कहा कि छात्रों को किताबी ज्ञान के साथ साथ डिबेट की स्किल पर भी कार्य करना चाहिए। इस दौरान दिल्ली एनसीआर के युवा छात्रों ने दुनिया के कुछ सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।अलग अलग संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने जलवायु परिवर्तन से लेकर अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा तक कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। सभी छात्रों ने अपने ज्ञान और आलोचनात्मक ज्ञान कौशल का प्रदर्शन किया। जीएल बजाज शिक्षण संस्थान का उद्देश्य इस कार्यक्रम के द्वारा छात्रों को अपनी राय व्यक्त करने, सहयोग करने और वैश्विक चुनौतियों की गहरी समझ विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करना था।कॉलेज के निदेशक डॉ0 मानस कुमार मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम में चर्चाएँ व्यावहारिक और प्रेरणादायक थीं, क्योंकि छात्रों ने बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। मुख्य कार्यकारी अधिकारी कार्तिकेय अग्रवाल ने कार्यक्रम को संभव बनाने वाले सभी प्रतिभागियों, सलाहकारों और आयोजकों के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस युवा संसद में उठाए गए सभी मुद्दों और उनकी चर्चा से छात्रों को वर्तमान की वैश्विक समस्याओं को समझने और उनसे निजात पाने का रास्ता मिलेगा।

बैंक के उत्पीड़न पर प्रधानों ने किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । दर्जनों प्रधान व प्रतिनिधियों ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंच कर विरोध प्रदर्शन करते हुए सौंपा पत्र। ग्राम प्रधानो ने बताया भुगतान डी0बी0टी0 के माध्यम से सीधे उनके खाते में होता है, परन्तु बैंक व शाखा उपरोक्त की लचर कार्यप्रणाली के कारण ग्राम पंचायत के लाभार्थियों एवं श्रमिकों का

कि जनप्रतिनिधिगण विकास खण्ड-राबर्ट्सगंज अन्तर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधातृजन हैं। हम जनप्रतिनिधिगण की विभिन्न निधियों एवं ग्राम पंचायत की आम जनता का खाता इंडियन बैंक, शाखा मारकुण्डी में संचालित है। विदित हो कि शासन द्वारा ग्राम पंचायत अंतर्गत संचालित होने वाले तमाम कल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ श्रमिकों के पारिश्रमिक का भुगतान ससमय नहीं हो पा रहा है। आलम यह है कि हम जनप्रतिनिधिगण के गांवों की आम जनता की निरक्षरता का नाजायज फायदा उठाकर लिंक फेल होने का बहाना बनाकर उन्हें प्रायः लौटा दिया जाता है, जबकि शाखा में संचालित बड़े खातेदारों का कार्य बैंककर्मियों द्वारा बराबर किया जाता है। इस प्रकार उक्त बैंक व शाखा द्वारा ग्रामीणों के साथ सीतेला व्यवहार किया जा रहा है। इतना ही नहीं ग्रामीणों के किसी भी काम के लिए उन्हें दिन नर बैठाकर उन्हें यह कहकर वापस कर दिया जाता है कि ठजाओ अब कल आना, काम कल होगा। उल्लेखनीय है कि बैंककर्मियों द्वारा हमारे ग्राम पंचायतों की गरीब, निरीह च निरक्षर ग्रामीणों से दुर्व्यवहार करते हुए उन्हें अपमानित करके बैंक से भगा दिया जाता है और शासन की मंशानुरूप उन्हें विभिन्न योजनाओं की अनुदान राशि व मजदूरी भुगतान नहीं किया जा रहा है। ग्रामीणों के नये पासबुक जारी कराने, पासबुक प्रिंट कराने, केवाईसी, एनपीसीआई, आधार लिंक आदि जैसे मौलिक कार्यों के लिए भी महीनो दौड़ाया जा रहा है। जनप्रतिनिधिगण के गांवों की ग्रामीण जनता में बहुतायत आबादी अनुसुचित जाति एवं अनु0 जनजाति के लोगों की है जिनमें अधिकांशतः मनरेगा मजदूर है और शासन की योजनाओं के लाभाथी भी है. इसलिए इनका कार्य शासन की मंशा के अनुरूप प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए, परन्तु ऐसा नहीं किया जा रहा है, जो जनप्रतिनिधिगण के ग्रामीण जनता के मौलिक अधिकारों का हनन है।

बॉलीवुड/टेली मसाला

प्रियंका चोपड़ा ने साझा की अपनी खूबसूरत तस्वीरें, प्रशंसक बोले- 'निक बहुत लकी हैं'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा अपनी फिल्मों, तस्वीरों और निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहती हैं। इस बीच प्रियंका चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनको लेकर प्रशंसकों के बीच चर्चा शुरू हो गई है अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा अपने स्टाइलिश लुक में कभी कोई कमी नहीं रखती हैं। वह कई इवेंट्स में भी अपने लुक को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने लंदन में एक इवेंट के दौरान अपनी फोटो शेयर की है। इसमें प्रियंका काफी खूबसूरत लग रही हैं। प्रियंका के इस लुक को देखकर फैंस निक जोनस को लकी बता रहे हैं।प्रियंका चोपड़ा ने सोशल मीडिया पेज पर नए अंदाज में फोटो शेयर की है। इस पहली फोटो में प्रियंका शीशे में अपना चेहरा देखती नजर आ रही हैं। प्रियंका चोपड़ा ने आखिरी दो स्नैपशॉट में प्रियंका एक फिटेड ब्लैक फुल-स्लीव टॉप पहने हुए कैमरे के लिए पोज देती नजर आ रही हैं। कैप्शन में प्रियंका ने लिखा, ठजब ग्लैमर बस इतना अच्छा हो।ठ उन्होंने लोकेशन को लंदन, यूनाइटेड किंगडम भी टैग किया। प्रियंका आखिरी फोटो में ब्लैक ड्रेस में नजर आ रही हैं, उनकी सुंदरता को लेकर फैंस ने कई तरह की प्रतिक्रिया दी हैं।प्रियंका चोपड़ा ने अपने स्टाइलिश लुक प्रशंसक के साथ शेयर करती रहती हैं। एक यूजर ने निक जोनस को 'लकी' बताया है। एक अन्य ने कहा, 'रानी, निक बहुत ही लकी इंसान हैं'। एक उपयोगकर्ता ने पूछा, ङ्कनिक इनके लिए लड़ सकते हैंङ्ग और दूसरे ने कहा, ठीक है देवी।ङ्ग प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर कई तरह से तारीफ की है। प्रियंका चोपड़ा अपनी आगामी सीरीज 'सिटाडेलः हनी बनी और सिटाडेलः डायना' में नजर आने वाली हैं। प्रियंका ने खुद सिटाडेल के अमेरिकी के दूसरे सीजन की शूटिंग शुरू कर दी है। प्रियंका अपनी इस फिल्म की बीटीएस तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं।

गोविंदा के बयान से पुलिस संतुष्ट नहीं, घटना के दौरान अभिनेता के अलावा दूसरा शख्स भी था मौजूद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता और राजनेता गोविंदा मंगलवार की सुबह दुर्घटनावश गोली लगने से घायल हो गए थे। गोविंदा ने बाद में एक बयान जारी कर अपने प्रशंसकों को बताया कि डॉक्टरों ने गोली निकाल दी है और वह अपने प्रशंसकों के स्नेह और भगवान के आशीर्वाद से ठीक हैं। हालांकि, मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम अभिनेता से मिलने अस्पताल पहुंची थी। इस दौरान टीम ने गोविंदा से घटना के संबंध में जानकारी ली। खबर है कि गोविंदा के बयान से पुलिस संतुष्ट नहीं है और पुलिस दोबारा गोविंदा बयान दर्ज कर सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुलिस को शुरू में गड़बड़ी का कोई सबूत नहीं मिला। वे गोविंदा के बयान से कुछ हद तक आश्वस्त नहीं हैं और जल्द ही उनका बयान फिर से दर्ज कर सकते हैं। रिपोर्ट में यह भी खुलासा किया गया है कि गोविंदा की बेटी टीना आहूजा से भी पुलिस ने पूछताछ की है। उनका बयान भी दर्ज किया गया है। आगे की जांच जारी है। वैसे गोविंदा के खिलाफ ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिसके बाद उन्हें गलत या झूठा ठहराया जा सके। पुलिस अधिकारी का कहना है कि जब रिवॉल्वर 0.32 बोर की थी तो उससे फायर हुई बुलेट 9 एमएम की कैसे हो सकती है। क्योंकि इस रिवाल्वर में 9 एमएम की बुलेट आ ही नहीं सकती है। अब पुलिस हादसा या वारदात के एंगल से छानबीन करेगी और केस की जांच करेगी। यही नहीं, पुलिस को इस बात का शक भी है कि जब गोविंदा को गोली लगी थी, उस वक्त कोई और भी अभिनेता के साथ मौजूद था। यही नहीं, क्राइम ब्रांच के एक अधिकारी ने बताया कि वह अब इस दूसरे शख्स की तलाश कर रहे हैं और क्योंकि गोविंदा खुद शिंदे सरकार के नेता हैं। इसलिए वह कई सवालों के जवाब देने से भी कतरा रहे थे।

200 करोड़ के क्लब में शामिल हुई 'देवरा', बॉक्स ऑफिस पर 'सरकटे' का आतंक है बरकरार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सिनेमाघरों में इस समय साउथ और बॉलीवुड फिल्में दर्शकों का मनोरंजन कर रही है। एक तरफ मैदान में 'स्त्री 2' है, जो रिलीज के इतने दिनों बाद भी पैसों की बारिश कर रही है। वही, दूसरी ओर जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा है, जो रिलीज के बाद से ही दर्शकों के बीच सुर्खियां बटोर रही है। हालांकि, 'स्त्री 2' के आगे 'देवरा' भी घुटने टेकते नजर आ रही है। शानदार ओपनिंग के बाद देवरा सिनेमाघरों में संघर्ष करती नजर आ रही है। आइए जानते हैं कि बुधवार को थिएटर में किस फिल्म ने कितना दम दिखाया है...'स्त्री 2' बारिश की वो फुहार बन कर आई थी, जिसने थिएटर मालिकों को खुश कर दिया है। लंबे समय से सिनेमाघर एक बड़े हिट की तलाश में था। 'स्त्री 2' ने यह बात साबित कर दी है कि अच्छी कहानी और कॉमेडी से दर्शकों को आसानी से सिनेमाघरों में खींचा जा सकता है। फिल्म ने शाहरुख की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'पठान' को भी पछाड़ दिया है। फिल्म के कमाई की बात करें तो 'स्त्री 2' ने रिलीज के 49वें दिन 1.68 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इस तरह श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की इस फिल्म का अब तक का कुल कलेक्शन 591.33 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म जल्द ही 'जवान' का रिकॉर्ड तोड़ने वाली है और 600 करोड़ के क्लब में एंट्री करने वाली है। 'आरआरआर' के बाद दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए जूनियर एनटीआर ने एक बार फिर 'देवरा' के साथ सिल्वर स्क्रीन पर वापसी कर ली है। फिल्म में अभिनेता के साथ जान्हवी कपूर और सैफ अली खान मुख्य भूमिका में हैं। जूनियर एनटीआर की इस फिल्म ने अच्छी ओपनिंग की थी। हालांकि, फिल्म को 200 करोड़ के क्लब में एंट्री करने के लिए काफी जूझना पड़ा है।बात करें फिल्म की कमाई की तो छठे दिन फिल्म ने 17.83 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म ने 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा भी छू लिया है। इसने अब तक 205.18 करोड़ रुपये का कुल कारोबार कर लिया है। फिल्म निर्माताओं के लिए यह थोड़ी राहत की बात हो सकती है।

तेलंगाना की मंत्री के बयान पर भड़के जूनियर एनटीआर-नानी, सामंथा के तलाक पर की थी टिप्पणी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। तेलुगु अभिनेता जूनियर एनटीआर हाल ही में, तेलंगाना की मंत्री कोंडा सुरेखा पर उनके निराधार बयान के लिए

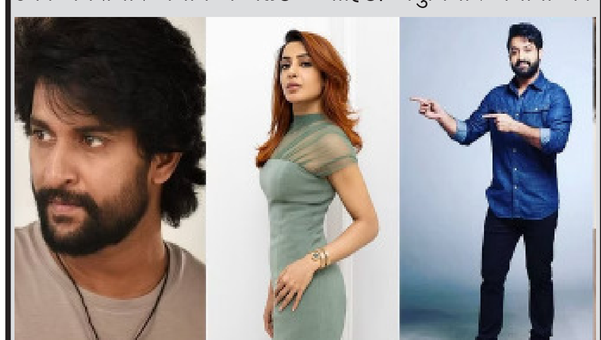

निशाना साधा, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु और अभिनेता नागा चैतन्य के बीच तलाक के पीछे भारत राष्ट्र समिति के नेता केटी रामा राव थे। यही नहीं, साउथ की कई हस्तियों ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। तेलंगाना की मंत्री कोंडा सुरेखा की टिप्पणी कि भारत राष्ट्र समिति के नेता केटी रामा राव सामंथा रूथ प्रभु और नागा चैतन्य के तलाक के पीछे का कारण थे, ने एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। वहीं शोबिज की कई हस्तियां भी इस पर प्रतिक्रिया दे रही हैं। हाल ही में, जूनियर एनटीआर और नानी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कोंडा सुरेखा की टिप्पणियों के लिए उनकी आलोचना की है। जूनियर एनटीआर ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, ठकोंडा सुरेखा गरु, निजी जीवन को राजनीति में घसीटना एक नया निचला स्तर है। सार्वजनिक हस्तियों, विशेष रूप से आप जैसे जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को निजता के प्रति सम्मान और सम्मान बनाए रखना चाहिए। बेबुनियाद बयानों को लापरवाही से इधर-उधर फेंकते देखना निराशाजनक है, खासकर फिल्म इंडस्ट्री के बारे में। उन्होंने आगे लिखा कि जब तक उनके जैसे लोग इस तरह के बेबुनियाद आरोप लगाते रहेंगे, तब तक इंडस्ट्री चुप नहीं बैठेगी। आरआरआर स्टार ने यह कहकर निष्कर्ष निकाला कि हमें एक-दूसरे की सीमाओं का सम्मान करना चाहिए और लोकतांत्रिक भारत में इस तरह के लापरवाह व्यवहार को सामान्य नहीं बनाना चाहिए।नानी ने तेलंगाना के मंत्री के लिए भी अपनी बात रखी और लिखा, ठयह देखना अजीब है कि राजनेता सोचते हैं कि वे किसी भी तरह की बकवास करके बच निकल सकते हैं। जब आपके शब्द इतने गैर जिम्मेदार हो सकते हैं, तो यह उम्मीद करना हमारे लिए बेवकूफी है कि आप अपने लोगों के लिए कोई जिम्मेदारी लेंगे। यह केवल अभिनेताओं या सिनेमा के बारे में नहीं है।

मां नहीं चाहती थी कि बेटा बने अभिनेता, किस्मत पलटी सत्यराज बन गए 'कटप्पा'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। तमिल अभिनेता सत्यराज को बाहुबली में 'कट्टपा' के किरदार के लिए जाना जाता है। सत्यराज आज यानी 3 अक्टूबर को अपना जन्मदिन मना रहे हैं।

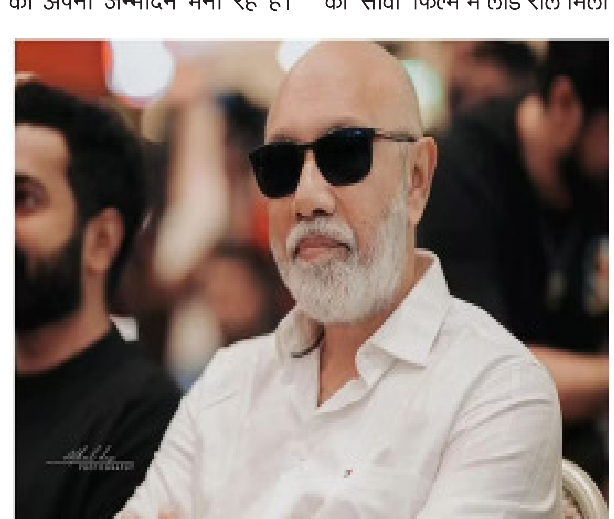

सत्यराज अपनी अभिनय की कला से 600 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके हैं। सत्यराज का फिल्मी करियर काफी शानदार रहा। सत्यराज का असली नाम रंगराज सुबय्या है। अभिनेता सत्यराज को हाल ही में आई 'मुंज्या' फिल्म में भी देखा गया था। खुबरों की मानें तो सत्यराज रजनीकांत की फिल्म 'कुली' में भी नजर आएंगे। सत्यराज ने 1987 में अपनी फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। 'अन्नाकिली' फिल्म में सत्यराज को पहली बार देखा गया था। सत्यराज ने एक बातचीत में बताया था कि उनकी मां नहीं चाहती थीं कि वो फिल्मों में काम करें, लेकिन सत्यराज की जिद ने और फिल्मों से लगाव ने उन्हें 'कटप्पा' बना दिया है। सत्यराज को फिल्मों में छोटे छोटे रोल मिलते थे। वर्ष 1978 से वर्ष 1985 तक सत्यराज ने 75 फिल्मों में काम किया था। खबरों की मानें तो सत्यराज को 'सावी' फिल्म में लीड रोल मिला था। अभिनेता सत्यराज का जन्म 3 अक्टूबर 1954 में हुआ था। सत्यराज ने महेश्वरी सत्यराज के साथ साल 1979 में शादी की थी। सत्यराज के बेटे का नाम सिबी सत्यराज और बेटी का नाम दिव्या सत्यराज है। सत्यराज के बेटे सिबी सत्यराज भी साउथ अभिनेता है। उनकी बेटी दिव्या पेशे से डॉक्टर हैं। अभिनेता सत्यराज को वेपन, बाहुबली 2, बाहुबली, चेन्नई एक्सप्रेस में देखा गया था। उन्हें वेधम पुधिथु (1987), नादिगन (1990), अमैधि पदाई, पेरियार और ओनबाधु रूबाई नोट्टू में मुख्य प्रदर्शन के माध्यम से। उन्हें नानबन, राजा रानी, बाहुबली, बाहुबली 2 और काना में सहायक भूमिकाओं के लिए जाना जाता है।

दिलजीत दोसांझ ने पाकिस्तानी फैन को गिफ्ट किए जूते

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मशहूर अभिनेता और पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ अक्सर अपनी फिल्मों और गानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। एक्टर की फैन फॉलोइंग भी तगड़ी है। उन्हें सुनने के लिए फैंस किसी भी हद तक चले जाते हैं। दिलजीत दोसांझ ने दिल-लुमिनाती टूर के लिए यूरोप में मौजूद यू.के. में मैनचेस्टर कॉन्सर्ट के दौरान एक पाकिस्तानी प्रशंसक को जूते की एक जोड़ी उपहार में दिया। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग सिंगर की जमकर तारीफ कर रहे हैं। दिलजीत का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक महिला प्रशंसक को हाथ जोड़कर जूते गिफ्ट करते नजर आ रहे हैं। जब महिला प्रशंसक ने बताया कि वह पाकिस्तान से हैं तो दिलजीत ने पंजाबी में जवाब दिया, ठचाहे हिंदुस्तान हो या पाकिस्तान, मेरे लिए दोनों एक जैसे हैं।

इन सितारों की फिल्मों ने पहले दिन की 100 करोड़ से अधिक की कमाई, प्रभास चार बार कर चुके हैं ये कारनामा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा हाल ही में रिलीज हुई है। आरआरआर के बाद से ही फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार था। सिनेमाघरों मे दस्तक देते ही इस फिल्म ने धमाल मचा दिया। पहले दिन इस फिल्म ने 172 करोड़ रुपये का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन किया। हालांकि, दूसरे दिन से फिल्म की कमाई में गिरावट नजर आने लगी। जूनियर एनटीआर की इस फिल्म को मिल रही मिली जुली प्रतिक्रियाओं के बीच आज हम आपको उन सितारों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनकी सबसे ज्यादा फिल्मों ने 100 करोड़ रुपये की ओपनिंग की है। आइए जानते हैं

प्रभास की गिनती भारत के सबसे बड़े सितारों में होती है। उनके प्रशंसकों की संख्या करोड़ों में है। फैंस को प्रभास की फिल्मों का बेसब्री से इंतजार रहता है। यही वजह है कि जब भी उनकी कोई फिल्म आती है तो पहले दिन सिनेमाघरों के बाहर लोगों की लंबी कतारें नजर आती हैं। अपने फिल्मी करियर में प्रभास ने सबसे ज्यादा 100 करोड़ की ओपनिंग करने वाली फिल्में दी हैं। बाहुबली 2, साहो, आदिपुरुष और कल्कि 2898 एडी ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये से अधिक की ग्रॉस ओपनिंग की थी। इस सूची में जूनियर एनटीआर का नाम भी शामिल है। तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में जूनियर एनटीआर का भी खूब दबदबा देखने को मिलता है। अभिनेता के फैंस में उनकी फिल्मों को लेकर गजब की दीवानगी देखने को मिलती है। हाल ही में देवरा पार्ट वन की रिलीज के बाद बड़ी संख्या में लोगों को सिनेमाघरों का रुख करते हुए देखा गया। जूनियर एनटीआर की अब तक दो फिल्में 100 करोड़ से ऊपर की ग्रॉस ओपनिंग कर चुकी हैं। इनमें आरआरआर के साथ देवरा का नाम भी शामिल है। शाहरुख खान की गिनती बॉलीवुड के बड़े सितारों में होती है। केवल भारत ही नहीं, बल्कि विदेश में भी उनकी गजब की फैन फॉलोइंग देखने को मिलती है। उनकी फिल्म पठान ने पहले दिन वैश्विक स्तर पर 100 करोड़ रुपये से अधिक की ग्रॉस कमाई की थी। वहीं, उनकी जवान भी यह कारनामा कर चुकी है।

लैला-मजनू की शूटिंग के दौरान रातभर रोती थीं तृप्ति डिमरी, बोलीं- एक्टिंग का 'ए' भी नहीं पता था

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। फिल्म 'एनिमल' से तृप्ति डिमरी को इतनी ख्याति मिली है

कि उनके पास फिल्मों की लाइन लग गई है। फिल्म 'एनिमल' में 'भाभी 2' के नाम से प्रसिद्ध हुईं तृप्ति की इस साल कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जो रोमांस, थ्रिलर, सस्पेंस और हॉरर से भरपूर होंगी। अभिनेत्री अपनी आगामी फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' को लेकर चर्चा में चल रही हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने बताया कि 'लैला मजनू' की शूटिंग के दौरान वह घर जाकर रोती थीं। उन्होंने स्वीकार किया कि जब वह मुंबई आईं तो उन्हें अभिनय का 'ए' भी नहीं पता था। हाल ही में द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया के साथ एक इंटरव्यू में, तृप्ति ने साझा किया कि उन्हें शुरू में अभिनय का कोई शौक नहीं था और उन्होंने इसे करियर विकल्प नहीं माना। अभिनेत्री ने कहा, ठमैं बस कुछ अलग करना चाहती थी। मैं कभी भी एकेडमिक में अच्छी नहीं थी। मैंने अपने माता-पिता से कहा कि मैं मॉडलिंग आजमाने जा रही हूं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उनके माता-पिता शुरू में उनके मुंबई जाने को लेकर काफी डरे हुए थे, खासकर क्योंकि वह एक शर्मीली, इंट्रोवर्ट थीं, जिन्होंने कभी दिल्ली से बाहर कदम नहीं रखा था। वे पहले इंडस्ट्री या मॉडलिंग में प्रवेश करने के उसके फैसले से भी खुश नहीं थे। फिर भी उन्होंने आगे बढ़ाने का फैसला किया ताकि बाद में उन्हें पछतावा न हो। तृप्ति ने आगे बताया कि सालों बाद उन्हें 2017 की फिल्म पोस्टर बॉयज में एक भूमिका मिली। लेकिन सनी देओल, बॉबी देओल और श्रेयस तलपड़े के साथ काम करना उनके लिए मुश्किल था क्योंकि उन्हें अभिनय का 'ए' नहीं पता था। इसलिए, उनके अनुसार, उन्होंने इसमें अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। आगे उन्होंने बताया कि लैला-मजनू की शूटिंग के दौरान घर आकर रोती थीं।अभिनेत्री ने कहा, ठमैं घर जाकर रोती थी, यह सोचकर कि 'क्या मैं सही काम कर रही हूं?' क्योंकि मुझे समझ नहीं आता था कि वे क्या कह रहे हैं या उनकी भाषा क्या है।ठ उन्होंने आगे कहा कि उनका एक हिस्सा फिल्म छोड़ना चाहता था।

दर्शकों के दिलों पर छाप छोड़ रातों रात छोटे पर्दे को अलविदा कह गईं ये अभिनेत्रियां

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टीवी सितारों के भी बॉलीवुड की तरह खूब चाहने वाले होते हैं। छोटे पर्दे के ये सितारे लोगों

की जिंदगी का खास हिस्सा बन जाते हैं। दर्शक हर रोज जब तक इनका शो नहीं देखते, तब तक मानो उनका दिन ही पूरा नहीं होता है। खासतौर पर महिलाओं का टीवी सीरीयल से खास जुड़ाव होता है। अपने पसंदीदा शो के सितारों के किरदार को दर्शक खूब पसंद करते हैं। मगर कई अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने छोटे पर्दे से खूब पहचान हासिल करने के बाद अभिनय को अलविदा कह दिया। तो चलिए जानते हैं इन अभिनेत्रियों के बारे में- कॉमेडी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री दिशा वकानी का नाम इस लिस्ट में पहले नंबर पर आता है। दिशा वकानी अका दया बेन कई वर्षों से टीवी से गायब हैं। शो में उनकी वापसी का दर्शकों लंबे वक्त से इंतजार कर रहे हैं। मगर उनकी वापसी को लेकर अभी तक कोई जानकारी नहीं है। छोटे पर्दे की जानी-मानी अभिनेत्री दीपिका कक्कड़ का नाम इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर आता है। दीपिका भी काफी समय से पर्दे से गायब हैं। दीपिका कक्कड़ को ससुराल सिमर का सीरीयल से घर-घर में पहचान मिली थी। टीवी की दुनिया में खूब नाम कमाने के बाद दीपिका ने अभिनय की दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।